राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

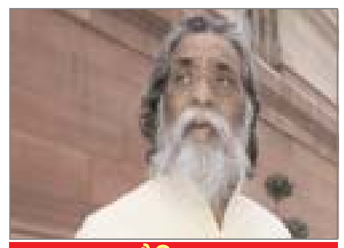

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एवं अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर ,बरेली ,बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025
वर्ष 14, अंक 196, पृष्ठ 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

मेडिकल स्टोरों पर धड़ल्ले से बेचा जा रहा है नशीली कफ सिरफ...03

उत्तराखंड में आवारा कुत्तों को लेकर तैयार हुई गाइडलाइन, अब गली में खाना खिलाने पर होगा एक्शन..04

न पुतिन न ही डोनाल्ड ट्रंप, गणतंत्र दिवस पर इस सुपर पावर के लीडर्स होंगे मुख्य अतिथि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अगले साल गणतंत्र दिवस परेड में भारत दुनिया की एक सबसे ताकतवर हस्ती को आमंत्रित करने वाला है. इसमें न तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम है और न ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का. इसमें फ्रांस, इंग्लैंड या जर्मनी जैसे सुपरपावर के हेड का भी नाम नहीं है. ये भी स्वाभाविक है कि इसमें चीन के राष्ट्रपति का भी नाम नहीं ही है. ऐसे में ये ताकतवर हस्तियां कौन हैं. तो उनके नाम हैं- उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा. भारत पहली बार परंपरा से हटकर इन्हें आमंत्रित कर रहा है. लेयेन यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष हैं जबकि कोस्टा यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष हैं।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक औपचारिक निमंत्रण और स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है, जिसके पूरा होने पर नई दिल्ली और ब्रुसेल्स द्वारा जल्द ही आधिकारिक घोषणा की जाएगी. भारत के नजरिये में गणतंत्र दिवस का मुख्य अतिथि आमंत्रण अत्यंत प्रतीकात्मक महत्व रखता है. नई दिल्ली रणनीति और आतिथ्य का

संतुलन बनाते हुए मुख्य अतिथि का चयन करती है, जिसमें सामरिक-कूटनीतिक कारण, व्यापारिक हित और अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

इस बार ईयू नेतृत्व को आमंत्रित करना भारत-ईयू संबंधों में तेजी से आए उभार का स्पष्ट संकेत है, विशेषकर फरवरी 2025 से जब ईयू के कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स ने भारत का दौरा किया था. 27 सदस्यीय ईयू के साथ भारत के संबंध पिछले कुछ महीनों में उल्लेखनीय रूप से मजबूत हुए हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली प्रशासन की अनिश्चित नीतियों के बीच ईयू ने 20 अक्टूबर को एक नया सामरिक एजेंडा अपनाया, जिसमें भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को उच्च स्तर पर ले जाने का संकल्प है।

व्यापार समझौते पर वार्ता

इसमें भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) की चल रही वार्ताओं को अंतिम रूप देना, प्रौद्योगिकी, रक्षा-सुरक्षा और जन-संपर्क सहयोग को गहरा करना शामिल है. जनवरी में ईयू नेताओं के भारत आने पर दिल्ली में ही भारत-ईयू लीडर्स समिट आयोजित होगा, जो मूल रूप से 2026 की शुरुआत में निर्धारित था. इससे दोनों पक्षों के वार्ताकारों पर दिसंबर तक एफटीए को पूरा करने का दबाव बढ़ गया है - यह प्रतिबद्धता फरवरी में हुई आर्थिक साझेदारी बैठकों में ली गई थी. गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में ईयू नेतृत्व की उपस्थिति न केवल कूटनीतिक जीत होगी, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करेगी. यह आमंत्रण भारत की 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति का हिस्सा है, जिसमें वह अमेरिका, रूस और यूरोप जैसे सभी प्रमुख शक्ति केंद्रों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखता है. ट्रंप प्रशासन की अनिश्चितता के बीच ईयू के साथ गठजोड़ भारत को व्यापार, निवेश और रक्षा प्रौद्योगिकी में नई संभावनाएं देगा।

एफटीए पूरा होने पर भारत को ईयू बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी, जो उसके निर्यात को बढ़ावा देगी. साथ ही, रक्षा और डिजिटल प्रौद्योगिकी में सहयोग से भारत की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को बल मिलेगा. जनवरी समिट में दोनों पक्ष जलवायु परिवर्तन, डिजिटल गवर्नेंस और इंडो-पैसिफिक रणनीति पर भी चर्चा करेंगे. यह ऐतिहासिक आमंत्रण भारत-ईयू साझेदारी के नए युग की शुरुआत है. जब 26 जनवरी 2026 को राजपथ पर ईयू झंडा लहराएगा, तो यह न केवल राजनयिक सफलता होगी, बल्कि वैश्विक सहयोग की नई मिसाल भी कायम करेगा. दोनों पक्षों के बीच विश्वास और सहयोग की यह यात्रा अब निर्णायक मोड़ पर है।

शरद पवार से टकराई देवेंद्र फडणवीस सरकार, BMC चुनाव से पहले होगा बड़ा खेला!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आने वाला है. दरअसल, स्थानीय निकाय और बीएमसी चुनाव से पहले राज्य की देवेंद्र फडणवीस ने सीधे तौर पर दिग्गज वयोवृद्ध नेता शरद पवार से सीधे टकरा गई है. दरअसल, राज्य सरकार ने शरद पवार की अध्यक्षता वाले वीएसआई के फंड की ऑडिट का आदेश दिया है. वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट (वीएसआई) पुणे में स्थित है. विपक्षी दल ने इसे बीजेपी की राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई करार दिया है. कैबिनेट ने 30 सितंबर को इस फैसले को मंजूरी दी थी. शुगर कमिश्नर संजय कोल्टे ने कहा कि कैबिनेट मीटिंग के मिनट्स मिलने के बाद हम कमेटी गठित करने की प्रक्रिया में हैं, जो वीएसआई के रिकॉर्ड और फंड उपयोग की जांच करेगी.

उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्थान के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वीएसआई में जांच शुरू होने की बात से इनकार किया है. उन्होंने कहा कि शुगर कमिश्नर ने केवल संस्थान द्वारा कुचले गए गन्ने के प्रति टन एक रुपये के उपयोग की जानकारी मांगी है. कोई जांच शुरू नहीं हुई. अगर वीएसआई के खिलाफ कोई गंभीर शिकायत मिलती है, तो हम जांच कर सकते हैं. फिलहाल किसी की कोई शिकायत नहीं है।

चीनी उद्योग के लिए अनुसंधान का काम करती है संस्था

1975 में सहकारी कारखानों के गन्ना उत्पादकों द्वारा स्थापित वीएसआई चीनी उद्योग के लिए अनुसंधान एवं विकास संस्थान है. यह सहकारी मिलों से कुचले गए गन्ने के प्रति टन एक रुपये प्राप्त करता है, जिससे अपनी गतिविधियां चलाता है. शरद पवार के अलावा उनके भतीजे एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार, पूर्व मंत्री दिलीप पाटील, जयंत पाटील और कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात इसके ट्रस्टी हैं. एन51सीपी-एसपी नेताओं ने इसे विपक्षी गढ़ों को निशाना बनाने का हिस्सा बताया. पार्टी के राज्य महासचिव रोहित पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री का जांच का फैसला सामान्य प्रक्रिया नहीं है. ठाणे के बाद अब बारामती को निशाना बनाया जा रहा है. जब विपक्ष भ्रष्टाचार के सबूत देता है, तो सरकार चुप रहती है, लेकिन वीएसआई जैसी प्रतिष्ठित संस्था को टारगेट किया जा रहा है. यह बीजेपी की राजनीति के निम्न स्तर को दर्शाता है।

पुणे जिले का बारामती पवार परिवार का राजनीतिक गढ़ है, जबकि ठाणे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना का घरेलू मैदान है. एनसीपी-एसपी का आरोप है कि सत्ता में आने के बाद बीजेपी और उसके सहयोगी विपक्षी नेताओं की संस्थाओं को कमजोर करने की रणनीति अपनाते हैं. वीएसआई चीनी उद्योग में तकनीकी नवाचार, प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए जाना जाता है. सहकारी मिलों से प्राप्त फंड का उपयोग वैज्ञानिक अध्ययन, किसान जागरूकता और उद्योग उन्नयन में होता है. संस्थान के ट्रस्टी बोर्ड में सभी प्रमुख दलों के नेता शामिल हैं, जो इसे गैर-राजनीतिक स्वरूप देते हैं. फिर भी, फंड ऑडिट का फैसला राजनीतिक रंग ले चुका है।

जांच पारदर्शी होगी

शुगर कमिश्नर कोल्टे ने बताया कि कमेटी का गठन जल्द पूरा होगा और जांच पारदर्शी होगी. लेकिन विपक्ष का मानना है कि यह कदम शरद पवार की साख को ठेस पहुंचाने का प्रयास है. रोहित पवार ने कहा कि वीएसआई ने दशकों से चीनी उद्योग को मजबूत किया है. अगर सरकार को पारदर्शिता चाहिए, तो सभी सहकारी संस्थाओं की जांच होनी चाहिए, न कि चुनिंदा।

महाराष्ट्र में सहकारिता क्षेत्र लंबे समय से राजनीतिक प्रभाव का केंद्र रहा है. पवार परिवार का चीनी सहकारिता पर मजबूत पकड़ है और बारामती में कई मिलें उनके समर्थकों के नियंत्रण में हैं. ऑडिट का फैसला ऐसे समय आया है जब राज्य में सत्ता गठबंधन और विपक्ष के बीच तनाव चरम पर है. फडणवीस ने स्पष्ट किया कि अभी केवल जानकारी मांगी गई है, लेकिन विपक्ष इसे जांच की शुरुआत मान रहा है. आने वाले दिनों में कमेटी की रिपोर्ट इस विवाद को और गहरा सकती है या शांत कर सकती है. फिलहाल, वीएसआई का मामला महाराष्ट्र की राजनीति में नया तूफान बनता दिख रहा है।

संक्षिप्त ख़बरें

सीलबंद वज़ूखाने के तले पर लगा कपड़ा बदलने पर दोनों पक्ष सहमत, फैसला सुरक्षित

वाराणसी- वाराणसी के जिला अदालत ने ज्ञानवापी परिसर स्थित सीलबंद वजूखाने के ताले पर लगे कपड़े को बदलने के लिए दोनों पक्षों से सहमति लेने के बाद आदेश को 10 नवंबर के लिए सुरक्षित रख लिया है। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि जिला अदालत ने बुधवार को हिन्दू और मुस्लिम दोनों पक्षों से ज्ञानवापी परिसर स्थित सील बंद वजूखाने के ताले पर लगे कपड़े को बदलने के लिए सहमति ले ली तथा 10 नवंबर के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया। उन्होंने बताया कि पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा था कि चूंकि मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है इसलिए वह स्वयं कोई आदेश जारी नहीं कर सकती। यादव के अनुसार अदालत ने कहा था कि अगर दोनों पक्ष सहमत हो तो ताले पर लगे कपड़े को बदला जा सकता है। मई 2022 में अदालत के आदेश पर ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण के दौरान दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) और उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाना क्षेत्र को सील कर दिया गया था। यादव ने बताया कि ताले पर बंधा कपड़ा समय के साथ फट और घिस गया है तथा किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हिंदू पक्ष ने इस वर्ष आठ अगस्त को एक याचिका दायर कर इसे बदलने की अनुमति मांगी थी।

बिहार चुनाव में RJD-कांग्रेस का होगा सूपड़ा साफ, समस्तीपुर में गरजे अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह बुधवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव मे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) रिकॉर्ड बहुमत के साथ प्रदेश मे एक बार फिर से सरकार बनाएगी और राष्ट्रीय जनता दल (RJD) और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

राजग के रहते कर्पूरी ठाकुर के जननायक की उपाधि को कोई छीन नहीं सकता- अमित शाह

अमित शाह ने आज समस्तीपुर जिले के रोसड़ा स्टेडियम में राजग प्रत्याशियों के पक्ष मे चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह विधानसभा चुनाव किसी को विधायक या मंत्री बनाने का नहीं है, बल्कि राजद के शासनकाल के जंगलराज को समाप्त करने का है। उन्होंने कहा कि लोगों के रूझान से स्पष्ट है कि इस चुनाव मे लालू यादव और राहुल गांधी की पार्टी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एवं राजद भ्रष्टाचार का प्रतीक है और इस चुनाव मे इन दलों का सफाया तय है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व मे बिहार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे देश का चौतरफा विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी एवं तेजस्वी यादव, कर्पूरी ठाकुर को मिले जननायक की उपाधि को छीनना चाहते है। उन्होंने कहा कि राजग के रहते कर्पूरी ठाकुर के जननायक की उपाधि को कोई छीन नहीं सकता है।

PM मोदी से मंच पर क्या हुई गुप्त बात, हम आपको क्यों बताएं...पप्पू यादव ने सीक्रेट रखी उस दिन वाली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना- पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा है कि बिना नीतीश कुमार के बीजेपी बिहार में कहीं नहीं है. न्यूज 18 इंडिया के कार्यक्रम 'सबसे बड़ा दंगल बिहार' के मंच से पप्पू यादव ने कहा कि बीजेपी बताए कि बिहार में उनका कोई चेहरा है क्या. बीजेपी की तरफ से कभी थे सुशील मोदी और रविशंकर जी, अब हैं क्या? महागठबंधन के घोषणापत्र में केवल तेजस्वी यादव का चेहरा होने पर पप्पू यादव ने कहा कि इसके पीछे अतिपिछड़ा, अल्पसंख्यक का भी फेस है. हमने जगन्नाथ मिश्रा के पोते को, शास्वत पांडेय को भी टिकट दिया. हमने एक भी बाहुबली, अपराधी को टिकट नहीं दिया. आरोप लगाया कि इन लोगों ने ना जाने कितने बाहुबलियों और चोरों को टिकट दिया है. इन लोगों ने 10 करोड़ 12 करोड़ में टिकट बेचा है. इन लोगों ने ऐसे टिकट बेचे जैसे कुत्ता बिल्ली नहीं बिकता है।

पप्पू यादव ने दावा किया कि वह केवल एक वर्कर हैं, ना कि नेता. वर्कर पीछे रहता है ना कि मंच पर रहता है. हम तो केवल प्रचार करने वाले हैं. पीएम मोदी के मंच पर जाने के सवाल पर पप्पू यादव ने कहा कि मिथिला में अतिथि का स्वागत करना हमारा संस्कार है. पप्पू यादव ने कहा कि वह सबको प्यार करते हैं, सबको आई लव यू. उन्होंने ये भी बताया कि पूर्णिया के मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके कान में क्या कहा था- 'पप्पू जी आपको और कुछ चाहिए, अब तक आपका मन नहीं भरा है.' इसके बाद पप्पू यादव ने यह भी कहा कि उनका और पीएम मोदी के बीच कुछ गुप्त बात हुई तो क्या वह सबको बता दें. पप्पू यादव ने कहा कि उन्होंने पीएम मोदी से कहा कि सीमांचल आपको मोहब्बत करता है. हम भी आपसे मोहब्बत करते हैं. सीमांचल को आप भी मोहब्बत करिए. आप मखाना और मक्का पर जो 5 फीसदी टैरिफ लगाए हैं उसे हटा दीजिए. इसके लिए मैंने पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार को चिट्ठी भी दिया है।

यहां बता दें कि पूर्णिया एयरपोर्ट के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंच पर स्थानीय सांसद पप्पू यादव भी दिखे थे. मंच पर पप्पू यादव और पीएम मोदी की बातचीत भी हुई थी।

क्लाउड सीडिंग: दिल्ली सरकार ने बारिश चोरी कर ली! युवा कांग्रेस ने पुलिस में दी शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- दिल्ली में प्रदूषण से राहत के लिए क्लाउड सीडिंग की योजना अभी परवान नहीं चढ़ सकी है. दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस ने बुधवार को 'बारिश चोरी' का आरोप लगाते हुए दिल्ली सरकार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में शिकायत दायर की. लाकड़ा ने कहा कि क्लाउड सीडिंग के नाम पर सवा करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए पर न बारिश हुई न प्रदूषण कम हुआ. उन्होंने आरोप लगाया कि कानपुर से जहाज उड़ने और दिल्ली में 15-20 मिनट के भीतर बारिश कराने की बात कही गई थी. लेकिन पूरे शहर में कहीं भी बारिश देखने को नहीं मिली. लाकड़ा के मुताबिक सरकार ने सिर्फ विज्ञापन चलाए और जनता को गुमराह किया. युवा कांग्रेस ने मांग की है कि इस कथित "बारिश चोरी" मामले की जांच तत्काल शुरू की जाए और जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाए. लाकड़ा ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे झूठे दावे कर रही हैं और दिल्लीवासियों को धोखा न दें. उन्होंने कहा कि सरकार को हवा सुधारने के असली कदम उठाने चाहिए, ना कि करोड़ों रुपये विज्ञापनों में उड़ाने चाहिए।

एनसीआर में अब स्मॉग और फॉग से होगा सामना

दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने करवट ले ली है. अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से लेकर नवंबर के पहले हफ्ते तक तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है. मौसम विभाग (आईएमडी) की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 17 डिग्री तक गिरने की संभावना है. हवा में नमी का स्तर भी 50 से 90 प्रतिशत के बीच रहेगा, जिसके चलते सुबह और शाम के समय लोगों को स्मॉग और फॉग दोनों का सामना करना पड़ेगा. भारतीय मौसम विभाग की वेबसाइट पर दर्ज पूर्वानुमान के अनुसार, 29 अक्टूबर को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस रहेगा, जबकि मौसम में शैलो फॉग (हल्का कोहरा) दर्ज किया गया. 30 अक्टूबर को भी हल्के कोहरे का असर बना रहेगा और तापमान 30 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तथा 18 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम दर्ज होगा।

जहां हिन्दू वहां काम क्यों नहीं, J&K असेंबली में शगुन परिहार ऐसा क्या बोलीं, मच गया बवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीनगर- जम्मू-कश्मीर विधानसभा में उस वक्त माहौल गर्मा गया जब बीजेपी विधायक शगुन परिहार ने कहा, हमारे किश्तवाड़ में हम राष्ट्रवादी हिंदू लोग हैं और हमारी अनदेखी हो रही है, कोई काम नहीं हो रहा. आखिर जहां हिन्दू वहां काम क्यों नहीं? उनके इस बयान ने पूरे सदन में हलचल मचा दी. विपक्षी दलों के सदस्य अपनी-अपनी सीटों से खड़े होकर विरोध जताने लगे. कुछ ने इसे धार्मिक पहचान के आधार पर भेदभाव की बात बताया, तो कुछ ने इसे राजनीतिक बयानबाजी कहा. कुछ मिनटों तक सदन में शोरगुल और नारेबाजी का माहौल बना रहा, जिसके बाद स्पीकर को हस्तक्षेप करना पड़ा. स्पीकर ने शगुन परिहार को शांत करते हुए कहा, आप पहली बार विधायक बनी हैं. आपकी जिम्मेदारी है कि आप सदन में गरिमा बनाए रखें. अपनी बात रखें लेकिन इस तरीके से कि किसी वर्ग को ठेस न पहुंचे. उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि वे संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा करते समय संतुलन और संयम बनाए रखें. शगुन परिहार ने हंगामे के बाद पूरा बयान जारी किया. उन्होंने कहा, सच्चाई कड़वी है, लेकिन बदल नहीं सकती. मेरा मकसद किसी धर्म विशेष को लेकर बयान देना नहीं था, बल्कि अपने क्षेत्र में विकास की कमी की ओर ध्यान दिलाना था।

काम धर्म के आधार पर न हो

शगुन परिहार ने कहा, मैंने इस असफल नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार को दृढ़ता से आड़े हाथों लिया, जिसने वर्षों से जिला किश्तवाड़ के उन इलाकों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा है, जहां मुख्य रूप से हिंदू आबादी रहती है. विकास को कभी भी धार्मिक आधार पर तय नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन जो पैटर्न हमने देखा है, वह दर्शाता है कि राजनीतिक और धार्मिक विचारधाराओं को नागरिकों की असली ज़रूरतों से ऊपर रखा गया है।

हमें जवाब चाहिए

शगुन परिहार ने कहा, आज जनता सब कुछ देख रही है. लोग जागरूक हैं, सवाल पूछ रहे हैं, और जवाब चाहते हैं. यह बढ़ती जागरूकता ही है जिसने कुछ लोगों को असहज कर दिया है. लेकिन असहजता सच्चाई को नहीं बदलती. यह सच्चाई है कि वर्षों से शासन में भेदभाव हुआ है और अब इसे और नहीं चलने दिया जा सकता. शगुन ने जोर देकर कहा कि भाजपा का रुख किसी धर्म के खिलाफ नहीं है, बल्कि भेदभावपूर्ण शासन के खिलाफ है. उन्होंने कहा, बीजेपी हर धर्म का सम्मान करती है और समानता में विश्वास रखती है. हमारा विरोध किसी आस्था से नहीं, बल्कि उस मानसिकता से है जो शासन में भेदभाव पैदा करती है. नेशनल कॉन्फ्रेंस को समाज के हर तबके को बराबर अवसर देना चाहिए. हर नागरिक चाहे किसी भी धर्म का हो, उसे विकास और कल्याण योजनाओं का समान अधिकार मिलना चाहिए. समावेशी विकास कोई एहसान नहीं, बल्कि हर नागरिक का हक है।

विपक्ष का पलटवार

परिहार के बयान के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) के विधायकों ने कड़ा विरोध जताया. एनसी के वरिष्ठ नेता ने कहा, किश्तवाड़ के विकास कार्यों को धार्मिक चश्मे से देखने की जरूरत नहीं है. सरकार ने हर समुदाय के लिए काम किया है. ऐसे बयान समाज में दरार डाल सकते हैं. वहीं कांग्रेस के कुछ विधायकों ने भी कहा कि सदन में 'हिंदू बनाम मुस्लिम' की भाषा लोकतांत्रिक भावना के खिलाफ है. उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे बयानों पर रोक लगानी चाहिए, ताकि जम्मू-कश्मीर में शांति और एकता का माहौल बना रहे. उधर, भाजपा के कुछ सदस्यों ने अपनी विधायक का समर्थन किया. उनका कहना था कि शगुन परिहार ने केवल सच्चाई बयान की है, जिसे लंबे समय से दबाने की कोशिश की जा रही थी. बीजेपी के सदस्यों ने कहा, अगर किसी इलाके में विकास नहीं हुआ, तो उसे उठाना हमारा कर्तव्य है, चाहे वह किसी भी समुदाय का इलाका क्यों न हो।

स्पीकर ने दिया सख्त संदेश

विवाद बढ़ता देख स्पीकर ने एक बार फिर हस्तक्षेप किया और कहा, विधानसभा बहस का मंच है, विभाजन का नहीं. हमें यहां जनता की आवाज़ बनना है, न कि समाज में दीवार खड़ी करनी है. उन्होंने सभी विधायकों से अपील की कि वे सकारात्मक और समावेशी चर्चा करें और किसी भी बयान से पहले उसके सामाजिक प्रभाव पर विचार करें. उन्होंने कहा कि सदन के सदस्य जनता की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करते हैं और उन्हें यह याद रखना चाहिए कि राजनीति का मकसद जोड़ना है, तोड़ना नहीं।

सोशल मीडिया में शगुन वायरल

विधानसभा की कार्यवाही भले कुछ देर बाद सामान्य हो गई, लेकिन बाहर राजनीतिक गलियारों में यह मुद्दा तेजी से चर्चा में आ गया. सोशल मीडिया पर भी शगुन परिहार का बयान वायरल हो गया. कुछ यूज़र्स ने उनकी साहसी आवाज की सराहना की, तो कुछ ने इसे धार्मिक ध्रुवीकरण की कोशिश बताया. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर की राजनीति में पहचान की राजनीति लंबे समय से एक जटिल मुद्दा रही है. ऐसे में किसी विधायक द्वारा धार्मिक पहचान का उल्लेख करना संवेदनशील माहौल को और जटिल बना सकता है।

भाजपा का रुख साफ

भाजपा की राज्य इकाई ने बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि पार्टी किसी भी धार्मिक विभाजन के खिलाफ है और सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर काम करती है. पार्टी प्रवक्ता ने कहा, शगुन परिहार ने केवल अपने क्षेत्र के लोगों की पीड़ा जाहिर की. विकास का हक हर नागरिक का है. अगर कोई सरकार इसे समान रूप से नहीं दे पाई, तो सवाल पूछना हमारा अधिकार है।

मध्य प्रदेश: ज़मीन विवाद में भाजपा नेता ने किसान को थार से कुचला, बेटियों से बदसलूकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- मध्य प्रदेश के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के गणेशपुरा गांव में रविवार (26 अक्टूबर) को एक भयावह घटना में स्थानीय भाजपा नेता महेंद्र नागर और उनके साथियों ने एक 40 वर्षीय किसान की बेरहमी से पिटाई की और थार गाड़ी से कुचल दिया गया, जिसके बाद उनकी मौत हो गई. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब किसान रामस्वरूप धाकड़ अपनी पत्नी के साथ खेत जा रहे थे. उनकी बेटी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, महेंद्र नागर और उनके साथी अपने घरों से निकले और उन पर हमला कर दिया. उन्होंने अपनी शिकायत में कहा, 'हमने शोर सुना और अपने पिता को बचाने के लिए बाहर गए. उन्होंने उन्हें अपनी कार से टक्कर मार दी.' बेटी ने आरोप लगाया कि जब उसने अपने पिता को बचाने की कोशिश की तो उसके साथ भी मारपीट की गई. उन्होंने आरोप लगाया, 'जब मैं अपने पिता को बचाने जा रही थी, तो उन्होंने मुझ पर हमला किया, मेरे ऊपर बैठ गए, मेरे कपड़े फाड़ दिए, मुझे धक्का दिया और पटक दिया. उन्होंने गोली भी चलाई और मेरे बाल खींचे.' अखबार के अनुसार, हमले के एक प्रत्यक्षदर्शी राम बाबू नागर ने कहा, 'रामस्वरूप पर 10-15 लोगों ने लकड़ी के डंडों से हमला किया. जब उसकी बेटी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो महेंद्र उसकी छाती पर बैठ गया. फिर जितेंद्र ने राम स्वरूप के पैरों पर थार गाड़ी चढ़ा दी. उसके दोनों पैर कुचल गए.' उन्होंने आगे बताया कि दोनों पक्षों के बीच पिछले तीन महीनों से ज़मीन का विवाद चल रहा था. मृतक के भाई रामकुमार ने आरोप लगाया, 'उन्होंने दोनों लड़कियों के कपड़े फाड़ दिए. करीब 20 लोगों ने हवा में गोलियां चलाईं, इसलिए हम डर गए. वे करीब एक घंटे तक हमला करते रहे. इसके बाद आरोपियों ने उन पर ट्रैक्टर चढ़ाया और बाद में कार चढ़ा दी.' न्यू इंडियन एक्सप्रेस ने स्थानीय लोगों के हवाले से बताया कि महेंद्र नागर - भाजपा के स्थानीय बूथ समिति प्रमुख और गुना जिले में पार्टी की किसान शाखा के पूर्व पदाधिकारी - ने फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के गणेशपुरा गांव में लंबे समय से आतंक का राज चलाया हुआ है. एक ग्रामीण ने बताया, 'वह सालों से ज़मीन हड़प रहा है. कम से कम 25 किसान अपनी ज़मीन औने-पौने दामों पर बेचकर गांव छोड़ चुके हैं. जिन लोगों ने विरोध करने की हिम्मत की, उन पर या तो हमला किया गया या उन्हें भगा दिया गया. रामस्वरूप ने नागर के आतंक के आगे घुटने टेकने से इनकार कर दिया और गणेशपुरा में अपनी दस बीघा ज़मीन पर कब्ज़ा जमाए रखा, उसके रिश्तेदार राजस्थान के पास के पचलावड़ा गांव में रहते हैं. इसी अवज्ञा के कारण आखिरकार उसकी जान चली गई.' महेंद्र नागर, उनके बेटों नितेश और देवेंद्र, पत्नी कमलेश बाई नागर, भतीजे जितेंद्र और नागर परिवार की दो अन्य महिलाओं समेत 14 लोगों के खिलाफ हत्या, आपराधिक षडयंत्र, मारपीट और महिलाओं का शील भंग करने से जुड़ी बीएनएस की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. न्यू इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, एक आरोपी, महेंद्र के बड़े भाई हुकुम सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

कांग्रेस ने घटना की निंदा की

इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, बमोरी से कांग्रेस विधायक ऋषि अग्रवाल ने घटना की निंदा की और सरकार पर निष्क्रियता का आरोप लगाया. अग्रवाल ने कहा, 'मध्य प्रदेश में हिंसा, लूटपाट और बलात्कार के मामले बढ़ रहे हैं. राज्य के मुख्यमंत्री गृह मंत्री भी हैं और यह सब उनकी निगरानी में हो रहा है. पुलिस सत्ता में बैठे लोगों के डर से काम कर रही है.' भाजपा ने इस बात से इनकार किया है कि आरोपी उनकी पार्टी से जुड़ा है. भाजपा प्रवक्ता शिवम शुक्ला ने कहा, 'आरोपी इलाके का पूर्व सरपंच बताया जा रहा है. वे किसी पार्टी के टिकट पर चुनाव नहीं लड़ते. इसके अलावा, यह आरोप कि आरोपी भाजपा नेताओं के साथ तस्वीरों में दिखाई दिए, निराधार हैं, क्योंकि कांग्रेस नेता भी हमारी पार्टी के सदस्यों के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं. वे जनप्रतिनिधि हैं और उन्हें लोगों से मिलना होता है. आरोपी हमारी पार्टी से जुड़े नहीं हैं.' न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बीच, गुना ज़िला भाजपा अध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार ने नागर के पार्टी से जुड़े होने की पुष्टि करते हुए उन्हें तत्काल निष्कासित करने की मांग की है. सिकरवार ने कहा, 'महेंद्र नागर एक पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय बूथ प्रमुख हैं. हमने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को पत्र लिखकर उन्हें तत्काल हटाने की मांग की है.' जानकार सूत्रों के अनुसार, महेंद्र नागर उन कांग्रेस कार्यकर्ताओं में शामिल थे, जो 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके 22 वफादार विधायकों के पार्टी छोड़ने और कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार गिरने के बाद भाजपा में शामिल हुए थे. गुना, ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के उन तीन ज़िलों में से एक है, जो गुना लोकसभा क्षेत्र बनाते हैं, जिसका प्रतिनिधित्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया करते हैं।

इंटरनेटः समय, स्थान और सीमाओं से परे एक क्रांति

एक नेटवर्क, एक राष्ट्र - इंटरनेट ने जोड़ा भारत को विश्व से डिजिटल युग का दीपोत्सवः इंटरनेट दिवस पर भारत का गौरवगान

एक पल ने सारी दुनिया को एक धागे में पिरो दिया। एक स्क्रीन की झिलमिलाहट, एक तार का जादू, और अचानक हर दिल इतना करीब आ गया कि दूरी बस एक सपना बनकर रह गई। यह इंटरनेट है—वह चमत्कार, जिसने समय और स्थान की दीवारों को रेत की तरह उड़ा दिया। 29 अक्टूबर, राष्ट्रीय इंटरनेट दिवस, सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक लम्हे का उत्सव है, जिसने 1969 में पहला डिजिटल संदेश भेजकर संसार को एक कर दिया। भारत जैसे देश के लिए, जहां हर गांव की मिट्टी और हर गली की हवा कहानियां गुनगुनाती है, इंटरनेट महज तकनीक नहीं, बल्कि सपनों का उजाला है। यह वह शक्ति है, जो एक किसान को वैश्विक बाजार की चौखट तक ले जाती है, एक छात्रा को विश्व के ज्ञान-सागर से जोड़ती है, और एक छोटे से कस्बे के सपने को दुनिया का मंच देती है। 1969 की वह ऐतिहासिक रात, जब कैलिफोर्निया के यूसीएलए से चार्ली क्लेन ने स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट को एक साधारण "एलओ" संदेश भेजा, मानो दुनिया ने नया सूरज देख लिया। यह आर्पानेट (एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी नेटवर्क), अमेरिकी रक्षा विभाग की दूरदर्शी देन, ने ठंडे युद्ध के बीच संचार की अनंत संभावनाएं जगा दीं। भले ही वह संदेश, "लॉगिन" का अधूरा टुकड़ा, क्रैश हो गया, लेकिन उसने एक ऐसे युग का द्वार खोला, जिसने दुनिया को हमेशा के लिए बदल दिया। 1983 में टीसीपी/आईपी प्रोटोकॉल ने इसकी नींव को अटल बनाया, और 1991 में टिम बर्नर्स-ली के वर्ल्ड वाइड वेब ने इंटरनेट को हर घर की दहलीज तक पहुंचा दिया। 2005 से 29 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय इंटरनेट दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसे इंटरनेट उपयोगकर्ता संघ और संयुक्त राष्ट्र के विश्व सूचना समाज शिखर सम्मेलन ने वैश्विक पहचान दी। भारत में यह राष्ट्रीय इंटरनेट दिवस एक प्रेरणा का प्रतीक है—एक ऐसा देश, जहां 1.4 अरब दिल डिजिटल सपनों की उड़ान भर रहे हैं। भारत में इंटरनेट की कहानी किसी स्वप्निल सैर से कम नहीं। 1986 में ईआरनेट (एजुकेशनल रिसर्च नेटवर्क) ने आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों को डिजिटल दुनिया से जोड़ा। 1988 में एनआईसीनेट ने सरकारी संचार को नई रफ्तार दी। लेकिन 15 अगस्त 1995 को वीएसएनएल (विदेश संचार निगम लिमिटेड) की गेटवे इंटरनेट एक्सेस सर्विस ने आजादी का नया अध्याय लिखा। कोलकाता में पहला कनेक्शन, 9.6 केबीपीएस की धीमी गति, और 250 घंटे के लिए 5000 रुपये का मासिक शुल्क, तब इंटरनेट कुछ खास लोगों की पहुंच में था। 1998 में सत्यम इन्फोवे ने निजी इंटरनेट की शुरुआत की, और 2000 के दशक में मोबाइल इंटरनेट ने रफ्तार पकड़ी। 2016 में रिलायंस जियो की 4-जी क्रांति ने जैसे सारी बाधाएं तोड़ दीं। सस्ते डेटा ने गांव-गांव को डिजिटल दुनिया से जोड़ा। 2025 में, ट्राईके अनुसार, भारत में 92 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, और 5-जी के साथ 2030 तक हर हाथ में डिजिटल पहुंच का सपना साकार होने को है। डिजिटल इंडिया, भारतनेट और पीएम वाणी ने गांवों को वाई-फाई हॉटस्पॉट्स से जगमगा दिया। कोविड-19 के दौर में इंटरनेट ने नया जीवन दिया—ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन और रिमोट वर्क ने अर्थव्यवस्था को थामे रखा। यह कहानी सिर्फ आंकड़ों की नहीं, बल्कि उन अनगिनत जिंदगियों की है, जिन्हें इंटरनेट ने उड़ान दी। राष्ट्रीय इंटरनेट दिवस भारत के लिए एक प्रेरणा का उत्सव है, जो सपनों को हकीकत में बदलने की ताकत देता है। आर्थिक रूप से, इंटरनेट ने एक नई क्रांति रची—फ्लिपकार्ट, पेटीएम, और जोमैटो जैसे स्टार्टअप यूनिकॉर्न बनकर उभरे। 2024 में ई-कॉमर्स का कारोबार 5.5 लाख करोड़ रुपये को छू गया, और यूपीआई ने 13 अरब ट्रांजेक्शन के साथ वैश्विक कीर्तिमान स्थापित किया। सामाजिक रूप से, सोशल मीडिया ने हर आवाज को बुलंद किया—मीटू और डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने समाज को जागृत किया। महिलाओं की डिजिटल दुनिया में भागीदारी चमकी—2023 में 42% इंटरनेट उपयोगकर्ता महिलाएं थीं। शिक्षा में, स्वयं और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म ने 10 करोड़ से अधिक छात्रों के लिए ज्ञान के द्वार खोले। स्वास्थ्य क्षेत्र में, ई-संजीवनी ने 22 करोड़ टेलीकन्सल्टेशन के साथ जीवन को सहारा दिया। मगर चुनौतियां कम नहीं—2024 में साइबर अपराध 35% बढ़ा, और 38% ग्रामीण आबादी अभी भी डिजिटल दुनिया से अछूती है। डेटा गोपनीयता और फेक न्यूज की चुनौतियां गहरी हैं। राष्ट्रीय इंटरनेट दिवस, सुरक्षित इंटरनेट दिवस (फरवरी) की तरह, हमें इनका सामना करने का संकल्प देता है। भारत की वैश्विक डिजिटल पहचान गर्व का विषय है। यूपीआई ने भूटान, नेपाल और यूएई में अपनी छाप छोड़ी। भारतीय मूल के सुंदर पिचाई (गूगल) और सत्य नडेला (माइक्रोसॉफ्ट) एआई और क्लाउड कंप्यूटिंग में दुनिया को राह दिखा रहे हैं। लेकिन भविष्य एआई नैतिकता, डेटा संप्रभुता और साइबर सुरक्षा जैसे सवालों से जूझेगा। भारतनेट ने 2.5 लाख ग्राम पंचायतों को फाइबर से जोड़ा, फिर भी इंटरनेट की गति और विश्वसनीयता को और बेहतर करना होगा। राष्ट्रीय इंटरनेट दिवस हमें सिखाता

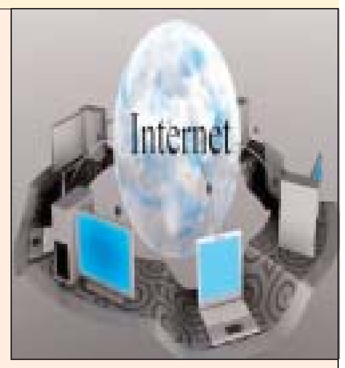

है कि तकनीक सिर्फ एक उपकरण नहीं, बल्कि समावेशिता, शिक्षा और सशक्तिकरण का प्रदीप है, जो मानवीय मूल्यों को रोशन करता है। राष्ट्रीय इंटरनेट दिवस महज एक तारीख नहीं, बल्कि एक स्वप्न का उत्सव है—वह स्वप्न जो हर भारतीय के दिल को वैश्विक क्षितिज से जोड़ता है। यह उस गृहिणी की हिम्मत है, जो ऑनलाइन स्टोर खोलकर अपने सपनों को पंख देती है; उस छात्र की उड़ान है, जो कोर्सेरा पर कोडिंग सीखकर भविष्य गढ़ता है; और उस किसान की उम्मीद है, जो डिजिटल मंडी में अपनी फसल बेचकर आत्मनिर्भर बनता है।

मगर यह एक संकल्प भी है—एक सुरक्षित, समावेशी और सतत डिजिटल भविष्य रचने की जिम्मेदारी। 2030 तक, जब भारत डिजिटल सुपरपावर के रूप में विश्व मंच पर चमकेगा, यह दिवस उस गौरवमयी यात्रा का प्रतीक बनेगा। इस इंटरनेट युग में एक वचन लें—हर भारतीय को डिजिटल दुनिया से जोड़ें, हर सपने को आसमान छूने दें। क्योंकि इंटरनेट सिर्फ तारों का जाल नहीं, बल्कि भारत की धड़कन है, जो इसे विश्व गुरु की राह पर ले जा रहा है।

प्रो. आरके जैन

बढ़ती हैवानियत :आपसी रिश्तों में खून खराबे से नही परहेज

दिल्ली में लव, लिव इन और धोखे वाले कांड में खौफनाक खुलासा हुआ है. पुलिस का दावा है कि लिव इन पार्टनर ने यूपीएससी स्टूडेंट का मर्डर किया. इस मामले में पुलिस ने एक लड़की और 2 लड़कों को अरेस्ट किया है. पुलिस के मुताबिक, तीनों ने मिलकर छात्र के हत्याकांड को अंजाम दिया और इस हत्याकांड की मास्टरमाइंड अमृता चौहान फॉरेंसिक साइंस में बीएससी कर रही है. वहीं अपनी जान गंवाने वाला रामकेश मीणा दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहा था. आरोप है कि रामकेश के साथ अमृता मई 2025 से लिव-इन में रह रही थी, लेकिन बाद में अमृता और रामकेश अलग-अलग हो गए थे. दावा यह भी किया जा रहा है कि रामकेश के पास अमृता के अश्लील फोटो-वीडियो थे. अमृता ने कहा है कि रामकेश उन फोटो-वीडियो को डिलीट नहीं कर रहा था। इससे पहले हाल ही में हरियाणा के पंचकूला में पंजाब के पूर्व डीजीपी मुस्तफा के बेटे की संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी. इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है और मनसा देवी कॉम्प्लेक्स थाने में अकील अख्तर की हत्या का मामला दर्ज हुआ है. इस हत्याकांड में पिता मोहम्मद मुस्तफा, मां रजिया सुल्ताना, पत्नी, बहू और बेटी को आरोपी बनाया गया है। अहम बात है कि इस मामले में पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा और उनकी बहू के अवैध संबंधों का दावा किया गया है. खुद अकील अख्तर ने अपने पिता और पत्नी के अवैध संबंधों का जिक्र एक वीडियो में किया था। क्या इंसानी रिश्ते अब बेहद स्वार्थ भरे लालच धन लोलुपता सेक्स और संपत्ति के आकर्षण में अंधे दौर से गुजर रहे है इनमें पिता पुत्र की हत्या कर रहा है विवाहिता अवैध संबंधों के चलते कोख से पैदा बच्चे पति के खून से हाथ रंग रही हैं यह कैसा दौर है जिसमें इंसानियत के नाते रिश्ते खत्म हो कर बर्बरता और खून-खराबा की ओर बढ़ रहे हैं। आपको कुछ वारदातों के जरिए माहौल से वाकिफ कराने की कोशिश करते हैं. 20 अक्टूबर को तेलंगाना के मंचेरियल जिले में रविवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक पति ने अपनी पत्नी को पुल से नीचे धक्का देकर उसकी हत्या कर दी उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। दो दिन पहले ही हरियाणा के कुरुक्षेत्र में एक नाबालिग बेटे ने अपनी मां की बेरहमी से हत्या कर दी. घटना लाडवा थाना क्षेत्र के किसमच गांव की है. मृतक महिला की पहचान 45 वर्षीय मुकेश के रूप में हुई है, जो तलाकशुदा थी और अपने घर में अकेली रह रही थी. बेटे को मां का चाल चलन पसंद नहीं था. पड़ोसी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। हाल ही में महाराष्ट्र के पालघर जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक मां को अपने ही सात वर्षीय बेटे की हत्या और दस वर्षीय बेटी पर जानलेवा हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी महिला की पहचान पल्लवी धुमडे (40) के रूप में हुई है। जिला पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख ने बताया कि मृतक बच्चे का नाम चिन्मय धुमडे है। घटना के समय उसने अपनी मां से खाने में चिकन की मांग की थी। इसी बात पर गुस्से में आकर पल्लवी ने रोटी बनाने वाले बेलन से बेटे की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। यही नहीं, उसने अपनी दस वर्षीय बेटी पर भी बेलन से हमला किया। जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गई है और फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। बीते दिनों राजस्थान के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई। यहां एक युवक ने पत्नी से प्रेम संबंध रखने के शक में अपने ही रिश्तेदार युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। वहीं 16 सितंबर राजस्थान के चूरू जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है, जहां एक देवर ने अपनी भाभी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी देवर हितेश पारीक अपनी भाभी पूनम पारीक पर गलत नजर रखता था और उनके विरोध करने पर उसने इस वारदात को अंजाम दिया। मई माह में सोनम रघुवंशी ने शादी के 13 दिन बाद ही अपने पति की हत्या करा दी और अब 28 दिन बाद उसकी गिरफ्तारी हुई है। इनकी शादी 11 मई को हुई थी और 8 दिन बाद 20 मई को हनीमून मनाने मेघालय के शिलांग गए थे. इसके बाद सोनम और राजा के गायब होने की खबर आई थी. 31 अगस्त को दिल्ली के रोहिणी में एक शख्स को अपनी पत्नी और सास की बेरहमी हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार को अपने बेटे के जन्मदिन के दौरान परिवार के दो पक्षों के बीच हुए गिफ्ट एक्सचेंज को लेकर हुए विवाद के बाद शख्स ने अपनी पत्नी और सास की हत्या कर दी। बीती 12 अगस्त हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा में धर्मशाला से सटे सुधेड़ में हुई व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने हत्यारे का पता लगा लिया है। नाबालिग बेटे ने ही पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्याकांड में मृतक के नाबालिग बेटे को पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित को पुलिस टीम धर्मशाला ला रही है। आरोपित मां से अलग पिता के साथ रहता था। पुलिस हर पहलू को जोड़ते हुए जांच कर रही है 13 अगस्त को उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर 10 वर्षीय बेटे की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने मामले में महिला, उसके प्रेमी फैजान और उसके साथी राशिद को गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि मंगलवार की रात एक मुठभेड़ के बाद फैजान को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि उसके पैर में गोली लगी है। इसी 30 जुलाई को दिल्ली के नरेला इलाके में एक 10 वर्षीय लड़के की उसके पिता ने हत्या कर दी. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी ने बताया कि दिन में पहले नरेला पुलिस स्टेशन में एक बच्चे का शव मिलने की सूचना मिली थी, जिसके गले पर चोट के निशान दिखाई दे रहे थे। ओडिशा के बलांगीर जिले में 29 जून को 12 साल के लापता बच्चे के रहस्य को सुलझा लिया है। बच्चे की हत्या उसके 17 साल के बड़े भाई ने ही की थी। आरोपी लड़के ने अपने छोटे भाई का शव घर के पास ही दफन कर दिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी अपने छोटे भाई का यौन उत्पीड़न करता था। आरोपी पोर्न देखने का आदी है। पुलिस ने बताया कि माता-पिता को बड़े बेटे की करतूत के बारे में पता था और उन्होंने उसे छोटे बेटे से दूर रखने की कोशिश भी की थी। बलांगीर के एसपी अबिलाश जी ने बताया कि आरोपी ने कबूल किया है कि वह अपने छोटे भाई का शारीरिक उत्पीड़न करता था। 31 मार्च को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में एक पति ने बीमार बेटे के लिए दवा लाने की बात पर पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। 13 मार्च को ऐसा भी मामला सामने आया जिस मां ने 9 महीने तक बच्चे को पेट में पाला, उसी मां ने पैदा होते ही अपने बच्चे की हत्या कर दी. ये सुनने में हैरान कर देने वाला है, लेकिन ऐसा ही कुछ अमेरिका के साउथ कैरोलिना में हुआ है. दरअसल, अमेरिका की एक महिला पर आरोप है कि उसने अपने बच्चे को जन्म देने के कुछ देर बाद ही मार दिया. इतना ही नहीं, कथित तौर पर महिला ने बच्चे की हत्या की और उसे प्लास्टिक के बैग में पैक कर दिया और दूसरे कमरे में बच्चे के शव को फेंक दिया। 12 मई को असम के गुवाहाटी में बसिस्ता पुलिस ने एक महिला और उसके प्रेमी को अपने बेटे की जघन्य हत्या मामले में गिरफ्तार किया है. उसका क्षत-विक्षत शव रविवार को गुवाहाटी में वन विभाग कार्यालय के पास एक सूटकेस में भरा हुआ मिला. मृतक की पहचान मृण्मय बर्मन (10) के रूप में हुई है, जो नवोदय जातीय विद्यालय का 5वीं कक्षा का छात्र था। ये वारदातें तो सिर्फ बानगी है अब सैक्स संबंधों संपत्ति लिव रिलेशन को लेकर आए दिन हत्या और खूरेंजी की जा रही है मानवता करुणा परोपकार दया धर्म क्षमा के मानवीय गुणों के स्थान पर दरिंदगी वर्जित यौन संबंध स्वछंदता नशाखोरी लिव रिलेशन और बिना मेहनत संपत्ति हासिल करने की जुगुप्सा पनप रही है इस सब में इंसानियत और रिश्ते रोजाना शर्मसार हो रहे हैं। धर्मगुरु भी लोगों को मीठे मीठे प्रवचन देकर आश्रमों गौशाला इबादत गाहों के नाम पर संपत्ति बटोरने में लगे हैं जरूरत है कि शैक्षिक पाठ्यक्रम और धर्म गुरुओं के जरिए नैतिकता सत्य ईमानदारी के मूलभूत सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार किया जाए।

मनोज कुमार अग्रवाल

आखिर विज्ञान ने माना - अच्छी सेहत की दवा हे प्रकृति से जुड़ाव

आज के आधुनिक विलासिता के इस युग में मानव जितना हाईटेक होता जा रहा हे उतना ही अधिक मानसिक तनाव और बीमारियों से ग्रसित भी होता जा रहा हे ! आज की भागम भाग भरी जिन्दगी में अपनी जिम्मेदारियों की वजह से बड़े बुजुर्ग लोगो का तनाव ग्रस्त और बीमार होने की वजह बनती भी हे लेकिन आज छोटे छोटे बच्चे भी जिन पर जीवन की कोई जिम्मेदारी नही हे वह भी तनाव ग्रस्त नजर आकर असमय कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के शिकार होने लगे हे ! यह समस्या भारत या किसी एक देश की नही हे बल्कि यह विश्वव्यापी समस्या बनती जा रही हे ! आज दुनिया के किसी भी देश में देख लीजिये आपको सर्वाधिक मरीज जीवन जीने की सब कुछ सुविधा होने के बाद भी मानसिक तनाव लिए ही मिलेंगे जिसका सबसे प्रमुख कारण लोगों को नींद नही आना हे ! आधुनिकता के इस युग में जब से मोबाइल की हाईटेक टेक्नालाजी ने जब से प्रवेश किया हे भारत क्या दुनिया भर के देशों में शारीरिक आराम के लिए मनुष्य की आखो से रातो की नींद को इस कदर गायब कर दिया हे कि आज के युग में आदमी दो घड़ी चेन की नींद के लिए तडफता दिखाई देता हे ! आज दुनिया में बच्चे, युवा और बुजुर्ग जिसे देखो उसे सभी को रात दिन अपने ही मोबाइल में खोया हुआ पायेंगे ! बेशक मानव के जीवन में मोबाइल टेकनालजी क्या आई उसकी जीवन जीने की दिनचर्या ही बिलकुल बदल गई हे ! एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए रात्रि की आठ घंटे की नींद होना बेहद जरूरी हे लेकिन भारत सहित दुनियाभर में कितने ऐसे लोग मिलेंगे जो रात्रि की आठ घंटे की सुकुन भरी नींद पूरी करके सूर्योदय से पूर्व उठ जाते हे ? आज लोगों ने अपनी दिनचर्या खुद बदली हे जिसकी वजह से युवावस्था में ही वह मरीज सा बनता जा रहा हे ! यह न केवल हमारे हिंदुस्तान की बात हे बल्कि दुनिया के बड़े बड़े देशो में आलम यह हे कि न केवल युवापीढ़ी बल्कि उनके माता पिता भी रात्रि के आखरी पहर में जाकर मोबाईल को इसलिए बंद कर सोने की कोशिश करते हे कि सुबह उन्हें समय पर अपने काम पर जाना होता हे ! बकोल पूरी नींद होने की वजह से आज न केवल दुनिया का युवा वर्ग बल्कि बच्चे भी कई प्रकार की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हे ! दुनिया भर के देशों में कमर दर्द, रीड की हड्डी में गैप आना , सर्वाइकल स्पाइन, कंधे का दर्द, हाथ पैरों में अकड़न आना, मोटापा बढ़ना सहित कई प्रकार की बीमारियों के शिकार बच्चे और युवा पीढ़ी भी बड़ी तेजी से हो रहे हे ! आधुनिकता की चकाचौंध में बढ़ती इन बीमारियों लेकर अमेरिका के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के दो हजार डॉक्टरों ने संयुक्त अध्ययन किया और बढ़ती इन बीमारियों से निजात पाने के लिए हजारों लोगों को प्रकृति से जुड़ाव की डॉक्टरी पर्ची अर्थात नेचर पिक्रिप्शन दवा जब लिखी गई और उसका पालन करने पर अवसाद ग्रस्त कई मरीजों के जीवन में कई तरह के सकारात्मक फायदे भी होने लगे हे जिसके आधार पर अमेरिका में मानसिक रूप से तनाव ग्रस्त लोगों को प्रकृति के करीब अधिक से अधिक रहने की सलाह देकर स्वस्थ किया जा रहा हे ! भारतीय आयुर्वेद विज्ञान तो हजारो सालो पूर्व से यह कहता आया हे कि मानव जितना प्रकृति के करीब रहेगा उतना स्वस्थ प्रसन्नचित रहेगा ! आज दुनियाभर के देशों में लोग तनाव मुक्त और स्वस्थ जीवन जीने हेतु भारतीय जीवन पद्धति उसके आचार विचार और ज्ञान को अपना रहे हे लेकिन भारत की इसे विडंबना ही कहेंगे कि देश के ही उच्च

शिक्षित लोग ही भारतीय जीवन पद्धति और ज्ञान के इतर आधुनिकता की चकाचौंध भरी मोबाईल संस्कृति में डूबकर न केवल अपना बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन को भी अस्वस्थ कर अवसाद ग्रस्त बनाने पर तुले हे ! उम्मीद हे अमेरिका मेडिकल विश्वविद्यालय के संयुक्त अध्ययन के बाद मानसिक रूप से अवसाद ग्रस्त भारतीय शिक्षित लोग भी अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रकृति करीब आएंगे तो निश्चित उनके जीवन को सुखमय बनाने के लिए प्रकृति से बेहतर न कोई डॉक्टर होगा न कोई दवा होगी !

अरविन्द रावल

संपादकीय

बिहार में दावे,वादे और लोकलुभावन घोषणाओ से सियासी हलचल बढ़ी

बिहार विधानसभा चुनाव में पहले टर्म के चुनाव के बीच गिनती के दिन शेष रह गए है।राजद नेता तेजस्वी यादव ने घोषणा की है कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है तो राज्य के पंचायती राज प्रणाली के भत्ते दुगुने किये जायेंगे।तेजस्वी ने पंचायत प्रतिनिधियों के लिये 50 लाख रु.का बीमा कवर और पेंशन देने की घोषणा की गई है।नाई, कुमार और लोहार को पांच लाख की सहायता मिलेगी।इतना ही नही,वक्फ संशोधन बिल कूड़ेदान में फेंक दिया जायगा।बिहार में लालू और तेजस्वी की राजनीति समझ मे नही आए, यह तो सम्भव ही नही है।जनता लालू और तेजस्वी के रग -रग से वाफिक है।भ्रष्टाचार की राजनीति करने वाली राजद मतदाताओ को जूठे सपने दिखा कर वोट प्राप्त करने का सियासी खेल में वोटर फंसने वाले नही है।बिहार के मुख्यमंत्री एक निःस्वार्थ सत्याग्रही है।लालु की राजनौतिक महत्वकांशा बिहार को समझ मे आ गई है।बिहार में जंगलराज और भ्रष्ट राजनीति के लिए राजद सुप्रीमो लालू की सत्ता से लोगो की पीड़ा पहुँची है।तेजस्वी की घोषणाएं कागज का पुलिंदा है।सता हथियाने के बाद बिहार की राजनीति पूर्ववर्ती अपने पिता की सरकार जैसी बन जाएगी।न्याय के लिए दर -दर भटकते लोगो की जिंदगियां दुश्वार हो गई थी।लालू और तेजस्वी के उपर 27 मामले दर्ज है।उनकी खोखली राजनीति से कोई अनभिज्ञ नही है।लालच और लुभावने वादों से अब लोग भ्रमित होने वाले नही है।अब मतदाताओ को समझ मे आ गया है कि लुभावने वादे और कुछ स्वार्थ के लिए देश के साथ समझौता नही किया जा सकता है।क्योकि देश सर्वोपरि है।कांग्रेस और राजद का गठबंधन बना और उसके बाद सीटो का पेच इस तरह फंसा की, आज दिन तक गीले शिकवे मौजूद है।जनता इनसे उम्मीद लगा ही नही सकती है।चुनाव का बिगुल बजते ही इनकी हशरत जमीदोंज हो गई।सता की राजनीति में आकंठ डूबे राजनेताओ से ज्यादा उम्मीद नही की जा सकती है।राजनीति में साफ सुथरी छवि वाले युवाओ को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।विधानसभा चुनाव में रहकर सक्रिय राजनीति में लोक जागरण का काम कर सकते है।अब राजनीति अंधेरे में तीर चलाने वाली नही चाहिए।बदलते चलन में राजनीति में भी सुधार की अपेक्षा है।देश मे व्याप्त भ्रष्टाचार के लिए आवाज उठाने वाले और बिहार की राजनीति में साफ छवि वाले नेताओं को अहमियत देने के लिए वर्तमान में नीतिश कुमार की सत्ता में शुद्ध राजनीति की बोलबाला है,इसी तरह लोगो के जीवन मे अमूलचूल परिवर्तन को साधा जा सकता है।बिहार में सिर्फ जाति, धर्म,लुभावने वादे और बाहुबल के आधार पर चुनाव लड़ने की जुगत में है।इसलिए स्वच्छ राजनीति के विकल्प के रूप में वोट करने की ठानी है।जो वर्तमान में नीतीश और मोदी की साफ सुथरी छवि के लोग कायल है।बिहार में महिलाओ,युवाओ के लिए रोजगारपरक दृष्टिकोण से बिहार में उत्साह सातवे आसमान पर है।जो लोग लेने की अवस्था मे होते है,वे क्या किसी को कुछ दे सकते है।दावे,वादे और लोक लोभावन घोषणाओं को दूसरे विकल्प की तरह जनता जनार्धन जी रही है।क्योकि जिन दलों पर भ्रष्टाचार के आरोप है वे दल गठबंधन से चुनाव लड़ रहे है।यह वास्तविकता है कि लम्बे समय तक किसी को बेवकूफ नही बनाया जा सकता है।बिहार में राजद की ऐन चुनाव में इतनी बड़ी घोषणा और वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में फेंकने की घोषणा मात्र तुष्टिकरण की राजनीति ही है।दोनो हाथों में लड्डू रखने वाली कांग्रेस और राजद की नीतिया मतदाताओ के लिए चुनौती है।भ्रष्टाचार उन्मूलन की बात करने वाली राजनौतिक पार्टियां ही देशहित मे कार्य कर सकती है।ये दल ही टिकाऊ होते है।राजद इस राज्य में इस कदर बैचेन है कि उसने घोषणाओं की फहरिस्त लगा दी है।गृहमंत्री मंत्री अमित शाह और बिहार के दिग्गज नेताओं ने एनडीए की सरकार फिर से बनने की हुंकार भरी है।अभी केंद्रीय मंत्री राज्य का दौरा करने के लिए आमंत्रित है।राजद और कांग्रेस दोनो दल बेमेल गठजोड़ है।क्योंकि राजद भ्रष्टाचार में डूबी हुई पार्टी है और कांग्रेस भी आजादी के बाद भ्रष्टाचार की वैतरणी पार करती आ रही है।कांग्रेस हिन्दू और हिंदुत्ववादी की बात कर मुस्लिम वोटो की लालच में हिन्दुओ पर निशाना साधती नजर आती है,वही दलित,पिछड़े और मुस्लिम वोटों की सेंधमारी में राज्य के मुद्दे हवा में झूलते हुए नजर आ रहे है।राज्य के विकास की बात राजद और कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के मुह से सुनाई नही देती है।दोनो दलों के भीतर से जो जनता तक जो सन्देश जा रहा है,वह अपसीं कलह का है। एनडीए ने बेहतर माहौल दिया है।लालू के शासनकाल मे बिहार में सांप्रदायिक दंगे व अशांति का आलम था।लेकिन बीस वर्ष के शासनकाल मे साम्प्रदायिक सौहार्द का बेहतर माहौल है। बिहार में संवेदनहीनता की हदे उस समय सुनी जाती थी,तब जंगलराज का तमगा लालू के कार्यकाल में मिला था।आज वर्तमान में पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव किस मुह से वोटरों के बीच वोट की मांग कर रहे है?ऐसे नफ्फ्ट लोगो के चेहरे पर कोई गम नही है ।महिलाओ के साथ बर्बरतापूर्ण कार्यवाई को बिहार भूल पाया है?बिहार में एनडीए गठबंधन को नुकसान नही होगा क्योंकि बिहार में महागठबंधन भले ही सफलता को छू रहा है लेकिन यहां विरोधी ताकते बिखरी हुई है।ओवैसी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए है।ये वो दल है जिसके लिए कांग्रेस और राजद के झोली में जाने वाले वोटो का हिस्सा ओवैसी को जरूर मिलेगा।क्योकि ओवैसी की मंशा है कि हिंदुस्तान के मुसलमानों का नेता बनना है तो हिंदी भाषी राज्य में अपना परचम अवश्य लहरा कर राजनीति के गलियारों तक पहुँचा जाए।दूसरे दल वोट काटने के लिए निर्णयक भूमिका निभाएंगे।बिहार में इस बार टक्कर के बीच अंतिम विकल्प के तौर पर यही सब कुछ प्राप्त होना है कि बिहार विधानसभा चुनाव ने किसने क्या खोया और किसने क्या पाया है?क्योंकि जो पहली बार अपनी पार्टी के लिये उम्मीदवार उतार रहा है,उसके लिए तो जो मिला वो ही मुनाफा ही है।फायदेमंद ही है।लालू के कार्यकाल की कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति बिहार में राजद को पिछहट करने के लिए मजबूर जरूर करेगी।सियासी रूप से सबसे ज्यादा संदेश तेजस्वी की ओर से रहा है कि जिस दल की सिर्फ परछाई माना जाता रहा है,कांग्रेस ने यह संकेत दे दिया है कि हम भी कुछ कम नही है बिहार की राजनीति भले ही बदलती नजर आ रही है।वोटो की हिस्सेदारी बढ़ रही है लेकिन फिर भी एनडीए आशावादी है।और सरकार बनाने का अभी भी दम भर रही है।वो भी स्पष्ट बहुमत से।

लालू प्रशासन दमनकारी रहा था।ऐसे में जनता अब कमजोर शासन को वापस मौका नही देना चाहती है।मनोज दुबे ने कहा कि कमजोर सरकार लाने का क्या औचित्य है?क्योंकि लोक लुभावन वादे अक्सर सरकार बनने के बाद विफल होते है।इसलिए देशहित और विकास की बात करने वाले नेता और पार्टी का चयन आज की सबसे बडी ताकत है।भैया के आवे दे सत्ता में,उठा लेब घर से।मोदी ने समस्तीपुर की सभा में कहा था कि ये लठबंधन वाले चुनाव लड़वा रहे है उनके प्रचार में जंगलराज की याद ताजा हो रही है।आरजेडी -कांग्रेस के लोग छर्रा,कट्टा ,दुनाली और घर से उठाने की धमकी देने लग गए है।उसी परिपेक्ष्य में भाजपा का गाना भी वायरल हुआ है।जिसने निरहुआ गाने के बोल-आया है उत्थान का जनजन के कल्याक का,बरसो पहले एक भरी थी हुंकार,रफ्तार पकड़ लिहले बार बिहार जैसे विकास के गाने इनके जेहन में नही है।

कांतिलाल मांडोत

अब पराली बनी सियासत वाली अब पराली बनी सियासत वाली

ठण्ड की दस्तक के साथ ही, धान की कटाई और पराली जलाई के बीच आई दिवाली पर खतरनाक स्तर तक पहुंचे प्रदूषण के लिए फिर पराली को ही जिम्मेदार ठहराने में पंजाब और दिल्ली की राज्य सरकारें इस बार आमने-सामने रहीं। यह सच है कि पराली के चलते दोनों राज्यों के अलावा भी कई राज्य इसका प्रदूषण भुगत रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि पंजाब-दिल्ली की सरकारें बजाए सुलह के एक दूसरे को दोषी ठहरा, प्रदूषण से कैसे निपटेंगी? आसमान से निगरानी और लाइव तस्वीरों के इस दौर में भी सच सामने होने के बावजूद राजनीतिक बयानबाजी बेहद हैरानगी भरी है। सच है कि प्रदूषण की दमघोटू हवा इसके प्रभाव में आने वाले हर किसी को तकलीफ देती है। यह भी सही है कि कोरोना के बाद बहुतेरे लोगों में प्रदूषण को बरदास्त करने की क्षमता भी घटी है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारें बयानों से बचाव करें। हालाकि इस बार दिल्ली में क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश की बात की जा रही है जो यह लिखे जाने तक दिखी नहीं। फिर भी देखना होगा यह तकनीक कितनी कामियाब होती है। लेकिन प्रदूषण को लेकर यह स्थाई विकल्प हो पाए, ऐसा लगता नहीं है। इधर सुप्रीम कोर्ट ने भी बीते बरस, दिल्ली में बढ़े वायु प्रदूषण पर केंद्र को कड़ी फटकार लगाई तो पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी चेताया। बावजूद इसके तो काबू पाया जा सका न ही कोई विकल्प खोजा गया। अदालत में तब पेश जवाब पर ही सवाल खड़े होना लाजिमी थे जो हुए। फिलाहाल दिल्ली में दिवाली के फौरन बाद प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक पहुंचना बेहद चिंताजनक है। 301 से ऊपर का वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इण्डेक्स(एएक्यूआई) इमरजेंसी स्थिति मानी जाती है। दिल्ली में 27 अक्टूबर तक प्रदूषण के स्तर में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन धान कटाई और पराली जलाने की घटनाओं में भी पंजाब व आसपास तेजी से स्तर कब कहां पहुंच जाए कहना मुश्किल है। ध्यान देने वाली बात यह है कि न केवल एनसीआर बल्कि दूसरे क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ा हुआ है। पंजाब भी बुरी तरह से इसकी गिरफ्त में है। लेकिन यह सच है कि दिल्ली के मुकाबले वहां प्रदूषण अभी कम है। भले अभी पंजाब को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है क्योंकि इसी मंगलवार लुधियाना में दिवाली के ठीक पहले 271, जालंधर में 247, अमृतसर में 224, पटियाला में 206 वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया गया। केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड के आंकड़ों जो कि 27 अक्टूबर तक के हैं देखने से पता चलता है कि दिल्ली में प्रदूषण में गिरावट के बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक 301 पर बना हुआ है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से 1,900 प्रतिशत अधिक है। इसी दिन बहादुरगढ़ में वायु गुणवत्ता सूचकांक 381 से बढ़कर 387 हो गया है। जबकि दिल्ली सहित नौ शहरों में यह 300 के पार है। वहीं देश में शिलांग की हवा सबसे साफ रही जबकि भारत के 256 शहरों में से केवल 23 प्रतिशत में ही हवा साफ है यानी 77 प्रतिशत में हवा खराब है। गनीमत है कि बीच-बीच में बदलते मौसम से हालात इस बार पिछली बार जैसे नहीं बन पा रहे हैं। समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल भारत ही नहीं पाकिस्तान की पराली का धुंआ भी जिम्मेदार है। नासा की एक रिपोर्ट, वर्ल्डव्यू एनिमेशन, सेटेलाइट तस्वीरें, चंडीगढ़ पीजीआई और पंजाब यूनिवर्सिटी के शोध से भी साफ हो गया है कि भारतीय पंजाब के मुकाबले पाकिस्तानी पंजाब में पराली ज्यादा जलती। इस पर पड़ोसी पर भी लगाम की जरूरत है। आखिर कैसी कोशिशें हैं कि सालों साल से यह मसला बजाए सुलझने के हर बार नए आरोपों में घिर जाता है? रही बात सरकारों की तो केन्द्र या राज्य की सरकारें किसानों को लेकर दावा कुछ भी करें लेकिन किसानों की भी तो अपनी समस्याएं हैं। संसाधनों की कमीं से जूझते छोटे-छोटे किसानों को भला ऋण कैसे मिलेगा ताकि पराली से विभिन्न उत्पाद बनाने वाली मशीनें खरीद सकें? किसानों की अपनी मजबूरी है। खेती मौसम पर निर्भर है और एक-दो दिन का बिगड़ा मौसम महीनों की मेहनत पर पानी फेर देता है। इसी चलते किसान भी तुरंत पराली जलाने को मजबूर होते हैं। किसान अगली फसल की बुवाई की जल्दबाजी मौसम के डर के बीच हालातों से जूझता है। दूसरी फसल के लिए बहुत

कम वक्त के चलते खासकर छोटे किसान असमंजस में जानते-समझते मजबूरन पराली जलाने का अपराध करते हैं। दिल्ली में वायु प्रदूषण दशकों पुराना मुद्दा है। 1985 में भी आवाज उठी थी। जब कीर्ति नगर जैसे घने रिहायशी क्षेत्र में एक फर्टीलाइजर संयंत्र की जहरीली हवा से लोग बीमार होने लगे। तब एक वकील एम.सी. मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। हकीकत देखिए, सुनवाई के दौरान ही प्लांट से ओलियम गैस रिसी और तीस हजारी कोर्ट के एक वकील की जान चली गई। कइयों की हालत बिगड़ी। इसके बाद कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा। आबादी वाले क्षेत्र में क्लोरीन, सुपर क्लोरीन, ओलियम, फॉस्फेट जैसी जहरीले उत्पाद बनाने पर रोक लगी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने को मौलिक अधिकार बनाया। धरातल पर देखें तो सिवाय कागजी योजना बनाने, बैठकें और आखिर में आरोप-प्रत्यारोप से ज्यादा भला अब तक क्या हासिल हुआ है? न तमाम प्रभावित राज्य सरकारें और न ही केन्द्र, पराली के दूसरे उपयोग किसानों को समझा पाया। क्लाउड सीडिंग से कृत्रिम बारिश की बातें करने वाली दिल्ली सरकार भी खतरनाक स्तर तक प्रदूषण से फौरी राहत ही दिला पाई जो कुछ देशों ने कर दिखाया। बजाए आपसी तू-तू, मैं-मैं के पराली संग्रहण, इसके व्यावसायिक उपयोगों पर पूरे साल चर्चा होती तो शायद जलाने की नौबत ही न आती। लगता नहीं कि पराली मुद्दा गंभीर जरूर है लेकिन निदान असंभव नहीं? काश, सरकारी तंत्र और हुक्मरान यह समझ पाते!

ऋतुपर्ण दवे

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बन्धित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

मामूली विवाद पर मारपीट, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लालगंज (रायबरेली): मलपुरा गांव में दो भाइयों के बीच हुए मामूली विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। आरोप है कि जितेंद्र तिवारी, अमन तिवारी, सुयश तिवारी और गोलू पासी ने सुनील लोधी, उसकी मां छेदाना, भाई धर्मेंद्र और आकाश को पीट दिया। सूचना पर पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू की है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के कोरिहाई मोहल्ले में सोमवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतका की पहचान मन्नो देवी (23) पत्नी शिवम के रूप में हुई है, जो उन्नाव जिले के बिहार थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। वह इन दिनों कोरिहाई मोहल्ले में अपनी बुआ सास के घर आई हुई थी।मृतका के भाई गुरु प्रसाद ने ससुराल पक्ष पर बहन की हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि करवा चौथ के दिन सास, ससुर और पति ने मन्नो देवी के साथ मारपीट की थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इसके बाद वह कुछ दिनों के लिए अपनी मौसी के घर गुरबक्शगंज चली गई थी। रविवार को वह कोरिहाई लौटी, जहां सोमवार को उसकी मौत हो गई।भाई के अनुसार, शादी जुलाई 2023 में हुई थी और तब से ही ससुराल वाले दहेज को लेकर मन्नो को प्रताड़ित करते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि करवा चौथ के दिन हुई मारपीट के कारण ही उसकी मृत्यु हुई है।प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और परिजनों को संबंधित थाने में शिकायत दर्ज करने की बात कही है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि हमारी दादी स्व चन्द्रकली पत्नी स्व अंचल प्रसाद सक्सेना ने अपना पैतृक निवास नम्बर 127/ रिथत निकट पानीं की टंकी मोहल्ला पुराना सीतापुर सीतापुर को जरिए वसीयतनामा दिनांक 12/05/1992 अपने पौत्रों क्रमश पंकज सक्सेना व राजीव सक्सेना को दे दिया था वसीयतनामा के सम्बन्ध में अगर अन्य किसी भी वारिस को आपत्ति हो तो 15 दिनों के अन्दर सम्पर्क कर लें तत्पशचात वसीयतनामा के आधार पर उपरोक्त मकान को सहकारी दस्तावेज मैं दर्ज करवा लिया जायेगा।
(1) पंकज सक्सेना
(2) राजीव सक्सेना।

सूचना

मैं सैदुन शाह पत्नी हाजी मोहम्मद अशफाक निवासी 2 कस्बाती टोला सीतापुर तहसील व जिला सीतापुर उत्तर प्रदेश स्थाई पता 2 कस्बाती टोला सीतापुर तहसील व जिला सीतापुर उत्तर प्रदेश अस्थाई पता SD-803/Q-Block सेक्टर -4 शारदा अपार्टमेंट गोमती नगर विस्तर लखनऊ फ्लैट के एलॉटमेन्ट लेटर कहीं खो गए हैं काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है!

सूचना

यह कि मेरे नाना सतीश सिंह पुत्र ध्यान सिंह की मृत्यु दिनांक 07.06.2025 को हो गयी थी। नाना ने 14.11.2006 को एक स्टाम्प पर मेरे नाम वसीयत लिखी थी, जो कि सब रजिस्ट्रार गोला-खीरी के नाम है। जिसका मैंने रजिस्टर्ड पंजीकरण कराने के लिए उपनिबंधक कार्यालय, गोला गोकर्णनाथ-खीरी में दावा दायर किया। इस पर जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति दर्ज करानी हो, तो वो एक माह के अन्दर आपत्ति दर्ज करा सकता है।
**रश्मि सिंह पत्नी रवि सिंह
निवासी पिपरिया दुलई,
तहसीलपूरनपुर, जिला पीलीभीत
हाल पता ग्राम सरखना पश्चिम,
पलियाकलां-खीरी**

दबंगई से त्रस्त विधवा महिला ने लगाई न्याय की गुहार, बोली- न्याय न मिला तो करेगी आत्मदाह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद की तहसील मिश्रिख क्षेत्र के जरिगवां गांव की एक अधेड़ विधवा महिला ने अपने ही परिजन पर मकान और भूमि पर कब्जे का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगाया है। विधवा महिला ममता उर्फ रामभोली ने बताया कि उसे इंदिरा आवास योजना के तहत मकान आवंटित हुआ था, जिसे उसके पति ने निर्माण कराया था। उसी मकान में बनी दुकानों को उसने किराये पर दिया था, जिनमें उसका जेठ का पुत्र रजनीश व्यापार करता था। महिला का आरोप है कि पति के निधन के बाद रजनीश की नीयत बदल गई और उसने किराया देना बंद कर दिया। इसके बाद वह मकान और बेशकीमती कृषि योग्य भूमि पर कब्जा करने का प्रयास करने लगा। जब उसने विरोध किया, तो उसे धमकियाँ दी गई और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। भय और असहायता के कारण ममता उर्फ रामभोली ने अपनी दुकानों में ताला लगाकर दुकानों के बाहर तिरपाल डालकर अपनी पुत्री के साथ अस्थायी रूप से रहने का सहारा लिया है। विधवा महिला का कहना है कि उसने इस संबंध में स्थानीय थाना पुलिस और तहसील प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा, उसे ही मुकदमे में फँसाने की धमकी दी जा रही है।

भावनात्मक रूप से व्यथित महिला ने मीडिया के माध्यम से कहा -"गरीबी में किराए पर मकान दिया था, पर पति के गुजरने के बाद जेठ के पुत्र की नीयत बदल गई। अगर मुझे न्याय नहीं मिला तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर गुहार लगाऊँगी, अन्यथा आत्मदाह करने के लिए विवश हो जाऊँगी।" ग्रामीणों के अनुसार, यह मामला पारिवारिक विवाद और संपत्ति के अधिकार से जुड़ा हुआ है। अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस पीड़ित महिला को न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।

ग्रामीणों का दावा- स्थानीय लोगों ने बताया कि रजनीश और उसके भाइयों ने अपने-अपने हिस्से की भूमि खैराबाद निवासी एक युवक को पहले ही बेच दी है। उसके हिस्से की शेष बची भूमि बेंची गयी भूमि के पीछे पड़ी है। ग्रामीणों का कहना है कि अब विवादित भूमि विधवा महिला ममता उर्फ रामभोली के हिस्से की है, जिस पर विधवा महिला लगभग 40 वर्षो से काबिज है जिसपर विपक्षी के द्वारा कब्जे की कोशिश की जा रही है।

पम्पलेट वितरण कर नए कानूनों की दी जानकारी

लालगंज रायबरेली: कस्बे में इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने लोगों को नए कानूनों के बारे में जागरूक करने के लिए पम्पलेट वितरण अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने बाजार क्षेत्र और आम जनमानस के बीच जाकर कानूनी जानकारी से अवगत कराया।इंस्पेक्टर ने कहा कि हर नागरिक को कानून की जानकारी होना जरूरी है ताकि कोई भी अनजाने में गलती न करे और अपने अधिकारों व कर्तव्यों को समझ सके।पुलिस द्वारा किए गए इस जनजागरूकता अभियान की लोगों ने सराहना की और इसे कानून के प्रति जागरूक समाज की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

राज्यसभा सांसद स्वर्गीय जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल, जगन बाबू की मूर्ति हटाये जाने को लेकर नगर वासियों के प्रति रोष

● समाजवादी पार्टी ने किया विरोध, महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश को संबोधित उपजिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर) स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व राज्यसभा सांसद स्वर्गीय जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल उर्फ़ जगन बाबू की मूर्ति बीती रात बड़ा चौराहा, बिसवां से हटाए जाने को लेकर नगर में गहरा रोष व्याप्त है। इस घटना पर समाजवादी पार्टी ने कड़ा विरोध जताते हुए मूर्ति को यथास्थान पुनः स्थापित करने की मांग की है।

इस संबंध में समाजवादी पार्टी नगर इकाई की ओर से महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी शिखा शुक्ला को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व सांसद जगन बाबू की प्रतिमा बिना किसी पूर्व सूचना के रात में हटा दी गई, जिससे स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में गहरा आक्रोश है। पार्टी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मूर्ति को शीघ्र यथास्थान पुनः स्थापित नहीं किया गया, तो समाजवादी पार्टी आंदोलन के लिए बाध्य होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान सपा नेता अफजाल कौसर, विधानसभा अध्यक्ष सुनील यादव, हसीब अंसारी, आमिर खान, अंबुज यादव, बबलू, उमर अंसारी, जलील, मुजक्किर खान, इरफान सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी ने मंदिर परिसर पर किया वृक्षारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत ग्रुप) के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के बाबा शीतल दास मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण को हरा-भरा बनाए रखने का संदेश दिया।

यह कार्यक्रम अलारगंज मजरे बावन बुजुर्ग बल्ला गांव स्थित बाबा शीतल दास देवस्थान पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन टिकैत ग्रुप के जिला अध्यक्ष सर्वेश शर्मा ने की। इस दौरान अनेक पदाधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष सर्वेश शर्मा ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है, इसलिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए ताकि वातावरण स्वच्छ और हराभरा रहे।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने बताया कि मंदिर परिसर के आसपास की जमीन सुरक्षित भूमि है, जिस पर कुछ लोगों द्वारा जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने इस पर रोक लगाने और मंदिर परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग जिला अध्यक्ष से की इस मौके पर नरेंद्र बहादुर सिंह, विजय बहादुर, रामफेर, भुवनेश्वर, अंजनी महाराज, शकील अहमद, शैलेंद्र सिंह, उमाशंकर वर्मा, अरविंद शुक्ला, अमन दीक्षित, राकेश कुमार, व शिवगढ़ तथा अमॉवा के ब्लॉक अध्यक्ष हुआ पदाधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम प्रधान पर अपने भाई को बंजर भूमि पर अवैध निर्माण कराने व जातिसूचक शब्दों में गाली गलौज व धमकाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली- जिले की सदर तहसील के ग्राम पहरा खेड़ा मजरे जोहवाशर्की में बंजर भूमि गाटा संख्या 1283 पर वर्तमान ग्राम प्रधान शिवलाल द्वारा अपने भाई के व्यक्तिगत उपयोग के लिए अवैध निर्माण कराने का मामला सामने आया है। मामले में गांव के अनुप कुमार त्रिपाठी ने क्षेत्राधिकारी महराजगंज से लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

मंगलवार को महराजगंज क्षेत्राधिकारी कार्यालय पहुंच कर शिकायतकर्ता अनुप कुमार त्रिपाठी ने बताया कि वह ग्रामसभा जोहवाशर्की के मूल निवासी व नागरिक हैं। बीते 17 अक्टूबर से वर्तमान प्रधान शिवलाल द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुए उक्त बंजर भूमि पर अवैधानिक तरीके से निर्माण करा रहे हैं। निर्माण रोके जाने की सूचना पर पहुंचे हल्का लेखपाल की उपस्थिति में प्रधान व शिकायतकर्ता दोनों के द्वारा उक्त भूमि पर पट्टे के कागजात होने की बात पर ग्राम प्रधान शिवलाल आग बबूला हो गए। और शिकायत कर्ता को धमकाते हुए कहा कि "यहीं गड्ढा खोदकर ज़िन्दा गाड़ देंगे। कहो तो अभी गाड़ दें।" इसके अलावा, प्रधान पर उनके साथ अभद्रता करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गालियाँ देने का भी आरोप है। शिकायतकर्ता अनूप कुमार त्रिपाठी का कहना है कि प्रधान ने खुद को 'पासी' बताते हुए उन्हें धमकी दी कि "यदि मैं अपनी पासियाई पर आ गया तो महाराज आप मेरा कुछ नहीं कर पाओगे लेकिन मैं आपका बहुत कुछ कर सकता हूँ।"

जान-माल का खतरा और सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने की आशंका

शिकायतकर्ता अनुप कुमार त्रिपाठी ने प्रधान शिवलाल से अपनी और अपने परिवार की जान-माल के खतरे की आशंका जताई है। उन्होंने क्षेत्राधिकारी महोदय से निवेदन किया है कि यदि भविष्य में उनके या उनके परिवार के साथ कोई अनहोनी होती है, तो उसके जिम्मेदार वर्तमान प्रधान शिवलाल होंगे। इसके अलावा, गांव में लोगों द्वारा यह सुनने में आ रहा है कि प्रधान द्वारा सांप्रदायिक माहौल भी बिगाड़ा जा

सकता है।

प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग

त्रिपाठी ने क्षेत्राधिकारी महोदय से निवेदन किया है कि उक्त बंजर भूमि पर चल रहे अवैध निर्माण कार्य की तत्काल उच्च स्तरीय जांच कराकर उसे रुकवाया जाए। साथ ही, यदि आगे कोई अनैतिक कार्य होता है, तो प्रधान शिवलाल और उनके भाई सुखलाल के विरुद्ध उचित और कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए। शिकायतकर्ता ने प्रशासन के आदेश की प्रतीक्षा में रहने की बात कही है। क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि प्रकरण में शिकायती पत्र मिला है जांच कराकर कार्यवाही की जाएगी।

खेत में साफ-सफाई के दौरान मिला टूटा हुआ ड्रोन, महराजगंज में मचा हड़कंप; जांच का आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज: कोतवाली क्षेत्र के टूक मजरे ओथी गांव में सोमवार सुबह एक किसान के खेत में साफ-सफाई के दौरान एक टूटा हुआ ड्रोन मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ड्रोन को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेजने का आश्वासन दिया है।

साफ-सफाई के दौरान हुआ खुलासा

गांव निवासी किसान धर्मवीर सिंह उर्फ राजू सिंह के बेटे अभय सिंह सोमवार सुबह गांव के चार मजदूरों को साथ लेकर अपने खेत की मेड़ व नाली की साफ-सफाई करवा रहे थे। इसी दौरान, उनकी नज़र खेत में मिट्टी में धंसे एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर पड़ी। मिट्टी हटाने पर पता चला कि वह एक ड्रोन है। हालांकि, जुताई के दौरान ड्रोन में लगे आठ मोटर, पंखुड़ियों सहित उसके कई अन्य पार्ट टूट चुके हैं।

जुताई के दौरान टूटने की आशंका

किसान के बेटे अभय सिंह ने बताया कि हाल ही में खेत में कम्पाइन मशीन से धान की कटाई हुई थी, जिसके बाद शुक्रवार को खेत की जुताई रोटावेटर से कराई गई थी। माना जा रहा है कि धान की पुवाल या फसल अवशेष में फंसा यह ड्रोन जुताई के दौरान ही टूट गया होगा और खेत में धंस गया।

खेत में मिले अज्ञात ड्रोन की सूचना पर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्हें खेत में ड्रोन मिलने की जानकारी प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि किसान से मिले ड्रोन को उसके सभी टूटे हुए पार्ट सहित मंगा लिया गया है। इसे अब जांच के लिए भेजा जाएगा ताकि इसके स्रोत और उद्देश्य का पता लगाया जा सके। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

हाईवा के चपेट में आने से एक मजदूर की मौत

चुनार मिर्जापुर। कोतवाली क्षेत्र के गोल्हनपुर गांव स्थित एक क्रेसर प्लांट पर हाईवा के चपेट में आने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। घटनाक्रम सोमवार की बीती रात की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी अनुसार मृतक रात्रि के समय पर हाईवा चालक था उसी दौरान हाईवा के अनियंत्रित हो जाने गाड़ी लेकर पलट गया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान राम-लखन पुत्र पुनवासी उम्र 45 निवासी गोल्हनपुर के रूप में हुई है। मृतक अपने घर में दो भाइयों में से सबसे छोटा था इनके परिवार में पत्नी दो पुत्री व एक पुत्र हैं। घटना की जानकारी मिलते ही घर में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

व्रती महिलाओं ने उगते सूर्य को अर्ध्य देकर किया व्रत का समापन

● माताओं ने पुत्र की प्राप्ति व लंबी आयु की की कामना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार मिर्जापुर। आस्था का महापर्व छठ पूजा का समापन चौथे दिन मंगलवार की भोर व्रती महिलाए गांजे बाजे के साथ वेदी स्थल पहुँच कर पुत्र प्राप्ति व पति की लंबी आयु की कामना की। दीनानाथ के झलक दिखने की ललक लिए जल में खडी होकर इंतजार करती रही। उषा की पहली किरण दिखते ही दुध से अर्ध्य देने वालो की होड़ लग गई, व्रती महिलाओं ने उगते हुए सूर्य को दुग्ध से अर्ध्य देकर चार दिवसीय महापर्व का समापन किया।

घाट पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा नशा मुक्ति अभियान रथ को देखने के लिए लोगो में काफी उत्सुकता बनी रही। रथ को अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी, कोतवाल सहित सभी अधिकारियों ने देखा और सराहना किया।

साथ ही घाट पर श्री कलश जनकल्याण सेवा समिति, यथार्थ ग्रुप, जय निषाद राज छठ पूजा समिति द्वारा श्रद्धालुओं में दूध इत्यादि वितरित किया गया।पूजा के दौरान घाटो की साफ सफाई का विशेष ध्यान नगर पालिका परिषद् के चेयरमैन, अधिशासी अधिकारी की ओर से रखा गया व सुरक्षा की दृष्टिकोण से स्थानीय पुलिस के साथ पीएसी बल, एनडीआरएफ की टीम व स्थानीय गोताखोर मुस्तैदी के साथ अपने अपने कर्तव्यनिष्ठा के साथ लगे रहे। वहीं घाट पर अपर पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार मिश्रा, क्षेत्राधिकारी मंजरी राव कोतवाल विजय शंकर सिंह पटेल, चेयरमैन मंसूर अहमद अधिशासी अधिकारी सहित खोया पाया।

मेडिकल स्टोरो पर धडल्ले से बेचा जा रहा है नशीली कफ सिरफ

● शासन प्रशासन को चुनौती दे रहे हैं कोरेक्स माफिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

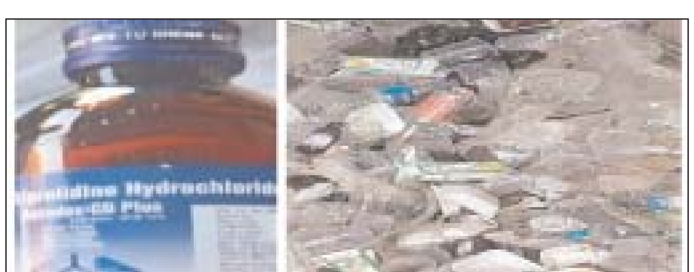

हलिया मिर्जापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र मे धड़ल्ले से मेडिकल स्टोरो पर बेचा जा रहा है नशीली कफ सिरफ शासन प्रशासन को चुनौती दे रहे हैं कोरेक्स माफिया क्षेत्र के हर चिट्ठी चौराहा पर चाय की दुकानों के अगल-बगल कोरेक्स की सीसी फेंका हुआ नजर आता है वही क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र के ड्रमंडगंज बाजर व रतेह चौराहा से भैसोंड़ बलाय पहाड़ पर धड़ल्ले से बेचा जा रहा है नशीली कफ सिरफ आए दिन कहीं ना कहीं मेडिकल स्टोरो का कहीं दुकानों पर कोरेक्स का वीडियो देखने को मिलता रहता है कारवाई एक भी कोरेक्स माफियाओं के ऊपर नहीं हो रहा है जिससे कोरेक्स माफिया खुलेआम शासन प्रशासन को चुनौती देते हुए अपना व्यापार बढ़ाने में लगे हैं क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है कि छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बूढ़े तक कोरेक्स पीकर पूरा दिन घूमते रहते हैं इसी नशा के कारण क्षेत्र में तमाम चोरी का मामला समिति का मामला होता रहता है के लोगों ने बताया कि बाजार में तमाम मेडिकल स्टोरो पर नशीली कफ सिरफ बेचने के लिए खोले गए हैं तमाम लोग अपने घरों में बेच रहे हैं व गोमतीयों में भी नशीली कफ बेचना शुरू कर दिए हैं कहीं भी कूड़ा करकट में देखा जाए तो सिर्फ नशीली कफ सिरफ की सीसी सबसे ज्यादा देखने को मिलती हैं ऐसे में ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से माग करना चाहते हैं कि क्षेत्र में नशीली कफ सिरफ बिकना बंद हो जाएगा तो क्षेत्र के नवयुवकों में सुधार आएगा नहीं तो पूरा दिन नशे में ही लिप्त रहते हैं और आए दिन नशे में ही मारपीट लूटपाट करते रहते हैं।

नोएडा में ऊंची इमारत से गिरने से युवक की मौत

नोएडा में 29 वर्षीय एक मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) की कथित तौर पर सेक्टर 74 में स्थित एक आवासीय सोसाइटी की आठवीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, वह व्यक्ति कुछ दोस्तों से मिलने गया था जिनसे वह हाल में एक ऑनलाइन ऐप के ज़रिए जुड़ा था। सेक्टर 113 पुलिस थाना प्रभारी (एसएचओ) के जी शर्मा ने बताया, मृतक की पहचान अलीगढ़ निवासी शुभम कुमार के रूप में हुई है। वह रविवार सुबह सेक्टर 74 स्थित सुपरटेक नॉर्थ आई सोसाइटी की आठवीं मंजिल से गिर गया।

अधिकारी ने पीटीआई-को बताया, वह शनिवार को सोसाइटी में दोस्तों से मिलने गया था जिनसे वह ऑनलाइन ऐप से जुड़ा था। शर्मा ने बताया कि कुमार नोएडा में मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) के तौर पर काम करता था। घटना के बाद कुमार को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रभारी ने बताया, मामले में जांच जारी है। घटनाक्रम का पता लगाने के लिए इमारत के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु एवं जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न

● सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान में सभी बैंकों की सभी शाखाएं निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष ऋण वितरित कराना सुनिश्चित कराये-जिलाधिकारी

उद्योग व्यापारी प्रतिनिधि मण्डल के व्यापारियों के साथ बैठक कर व्यापार से जुड़े अन्य मुद्दो, सुविधाओं एवं समस्याओं पर किया गया चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही 28 अक्टूबर, 2025: जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु एवं जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति एवं उद्योग व्यापार मण्डल के व्यापारियों के साथ बैठक आहुत की गयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित उद्यमियों, व्यापारियों से कहा गया कि जिले में व्यापारियों, उद्यमियों निवेशको से संबंधित मामलों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से निर्धारित समयावधि में किया जायेगा। व्यापारियों/उद्यमियों के प्रति सहयोगात्मक रूख अपनाया जाये और उद्यमियों के लम्बित प्रकरणों का नियमानुसार प्राथमिकता पर निस्तारण समय से किया जाये, जिससे कि जनपद में अधिक से अधिक रोजगार के साधन सृजित हों, उद्यमी अपने उद्योग को बेहतर ढंग से संचालित कर सके। साथ ही खाद्यय विभाग, विद्युत विभाग, प्रदूषण विभाग, व्यापारकर विभाग एवं अन्य विभाग के उपस्थित अधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया कि व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारित कराये। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नही होगी।

बैठक में उद्यमी नीरज जायसवाल चौरी रोड द्वारा अवगत कराया गया कि मौजा मानिकपुर तहसील भदोही आराजी व रकबा संख्या से सम्बन्धित कब्जा व मुआवजा के सम्बन्ध में उपायुक्त उद्योग द्वारा बताया गया कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। औरेंज मारकाम सर्विसेज प्रा0लि0 के द्वारा कार्पेट एक्सपो मार्ट भदोही में एग्जीविशन कराने पर बल दिया गया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजनान्तर्गत विकास खण्डों में लम्बित होने पर सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारियों को कड़ी हिदायत दी कि जॉच कर एक सप्ताह में रिपोर्ट प्रेषित सम्बन्धित विभाग को सुनिश्चित कराये। सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान प्रगति समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने एलडीएम को निर्देश दिया कि जिन बैंको की प्रगति खराब है, उन बैंको के नोडल अधिकारी अगली बैठक में ससमय उपस्थित रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन बैंको की प्रगति खराब है उनकी प्रतिदिन मॉनीटरिंग कर रिर्पोट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने लीड बैंक सहित सभी बैंको के अधिकारियों को सख्त निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष सीएम युवा अभियान को अधिक से अधिक स्वीकृत करें। बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, जनपद भदोही में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने हेतु लैंड बैंक डाटा उपलब्ध कराने, प्लेज पार्क विकसित करने, सिटी आफ एक्सपोर्ट एक्सलेन्सी, डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब के

क्रियान्वयन पर बल दिया। बैठक में पीएम सूर्यघर मुक्त बिजली योजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक लाभार्थियों को संस्तृप्त करने पर बल दिया गया।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी/ जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने जनपद के औद्योगिक विकास के क्रम में निवेशकों से मास्टर प्लान पर ही चर्चा किया। उन्होंने बीडा क्षेत्रवासियों से नक्सा पास कराकर ही निर्माण कार्य करने की अपील किया। जिलाधिकारी ने उपयुक्त सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने का संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। व्यापारियों, उद्यमियों, निवेशको द्वारा जमीन व राजस्व से जुड़ी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने मीटिंग में जूम मीटिंग से जुड़े हुए सम्बन्धित उप जिलाधिकारी को एक सप्ताह के अन्दर समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिये गये।

बैठक में उद्योग अधिकारी आशुतोष सहाय पाठक, निर्यातक पियूष बरनवाल, अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग, जनपद के व्यापारी, उद्यमी, निवेशक, व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी गण सहित अन्य सभी सम्बन्धित उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

रत्नेद्र दे रहा जान से मारने की धमकी

शहडोल। शहडोल से जिले की क्राइम इन दिनों लगातार बढ़ती जा रही हैं। क्योंकि पुलिसिया कार्यवाही देर से होना य मामले को रफा दफा करना। आपको बता दे कि ऐसा ही एक मामला सामने आया हैं, जिसमें रत्नेद्र तिवारी ने कैलाश चंद्र शाहू को जान से मारने की धमकी दे डाली जिसकी सूचना कैलाश ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर जानकारी साझा किया हैं। क्या लिखा आवेदन में कैलाश शाहू पिता रामसेवक निवासी नवटोला थाना गोहपारू जिला शहडोल का निवासी हैं। जो कि एक साधारण किसान हैं। और प्रार्थी को दिनकर तिवारी लैम्पस प्रबंधक लगातार परेशान करता हैं। जिसकी शिकायत लोकायुक्त रीवा में वर्ष 2019 में रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। उसी भ्रष्टाचार की शिकायत पर दिनाँक 27/10/2025 को गोहपारू तहसील में पेशी करने गया था तो रत्नेद्र तिवारी ने मुझे खुले आम धमकी दिया कि बलबहरा में जैसे कांड सुना था। ठीक वैसे की तेरे साथ हो सकता हैं। और बोलते हुए कहा कि नहीं तो लिखित में शिकायत वापस ले कर अपनी जान बचा लो। जिसकी लिखित शिकायत कैलाश ने पुलिस अधीक्षक को दिया हैं। अब देखने यह हैं कि क्या इसकी जाँच कर कार्यवाही होती हैं य फिर कुछ नया होने के बाद।

भारत पहुंचे इस शख्स को देख कई देश हुए पागल, सऊदी तो फट से पाक संग अपनी डिफेंस डील करेगा कैंसिल!

भारत पहुंचे इस शख्स ने कई देशों को पागल कर दिया है। भारत के कई दुश्मन देशों को उम्मीद नहीं थी कि वह इस तरह की तस्वीर देखेंगे। लेकिन तेजी से बदलते समीकरणों के चलते आज इस ताकतवर शख्स का भारत में रेड कारपेट वेलकम किया गया है। पाकिस्तान, तुर्की, अज़रबैजान और कुछ हद तक सऊदी अरब अच्छा महसूस नहीं कर रहे होंगे क्योंकि दुनिया के सबसे ताकतवर मुस्लिम देशों में से एक संयुक्त अरब अमीरात की लैंड फोर्सेस के कमांडर मेजर जनरल यूसुफ सईद अचानक भारत पहुंच गए। नई दिल्ली के साउथ लॉन में उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जो उनकी भारत की आधिकारिक यात्रा का शुभारंभ था। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी इस समारोह में उपस्थित थे।

छठ पर्व पर कोरांव में दिखा अनुशासन और आस्था का संगम

कोरांव प्रयागराज। नगर पंचायत कोरांव में मंगलवार को छठ के पावन पर्व पर उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर श्रद्धालुओं ने अपनी पूजा सम्पन्न की। श्रद्धा और अनुशासन का यह अनोखा संगम जिले में मिसाल बन गया। माननीय जिलाधिकारी प्रयागराज, पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज, अपर पुलिस आयुक्त यातायात व अपर पुलिस आयुक्त यमुनानगर प्रयागराज के दिशा-निर्देश पर प्रांतीय सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन में जिला अपराध निरोधक कमेटी सक्रिय रही। थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार वर्मा के आदेशानुसार और थाना कमेटी प्रभारी नरेंद्र देव मिश्र के नेतृत्व में डीसीपीसी वॉलिंटियर व पुलिस बल तैनात रहे, जिन्होंने श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाते हुए ट्रैफिक व्यवस्था संभाली। इस अवसर पर सह-थाना कमेटी प्रभारी सफात अली शाह, मीडिया प्रभारी मोहम्मद असलम, चिदानंद मिश्रा, रमाकांत सिंह, चंद्र प्रकाश सिंह, संतोष कुमार जायसवाल, शिवकुमार जायसवाल, अजय कुमार, राजू पासवान, राकेश कुमार केसरी, अवनीश नारायण, एहसान अहमद, धीरज कुमार, रागिनी मिश्रा, एसआई गिरीश चंद्र राय, एसआई शशी प्रकाश यादव, एसआई पूर्णिमा, तथा कांस्टेबल बृजेश कुमार सहित अनेक डीसीपीसी वॉलिंटियर्स मौजूद रहे। सभी के सहयोग से कोरांव में छठ पर्व का आयोजन शांतिपूर्ण और भव्य वातावरण में सम्पन्न हुआ।

बेंगलुरु में ब्राजीलियन मॉडल से बैड टच, डिलिवरी बॉय की शर्मनाक करतूत; पुलिस ने किया गिरफ्तार

● बेंगलुरु के आरटी नगर में एक डिलिवरी एजेंट ने ब्राजीलियन मॉडल से छेड़छाड़ की. घटना 17 अक्टूबर हुई थी, जब मॉडल ने डिलिवरी ऐप से सामान मंगाया था. घटना के बाद कुछ दिन तक महिला सदमे में रही और पुलिस से शिकायत नहीं की लेकिन आखिरकार वह 25 अक्टूबर को पुलिस के पास पहुंची जहां पुलिस ने कुछ ही घंटों के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के आरटी नगर क्षेत्र में एक 21 साल के डिलिवरी एजेंट ने एक ब्राजीलियन मॉडल से छेड़छाड़ की. पुलिस ने आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है. यह घटना 17 अक्टूबर की बताई जा रही है, जब मॉडल ने अपने घर पर एक डिलिवरी ऐप के जरिए किराने का सामान मंगवाया था।

पुलिस के अनुसार पीड़िता हाल ही में रोजगार वीजा पर भारत आई थी और बेंगलुरु के एक अपार्टमेंट में तीन दूसरे विदेशी नागरिकों के साथ रह रही थी. जिस वक्त उसने सामान ऑर्डर किया उस वक्त वो घर पर अकेली थी. जैसे ही वह ऑर्डर लेने के लिए दरवाज़े पर पहुंची. आरोपी डिलिवरी एजेंट कुमार ने कथित रूप से उसे अनुचित तरीके से छूने की कोशिश की. महिला ने तुरंत खुद को बचाते हुए दरवाज़ा बंद कर लिया. आरोपी कुमार एक डिप्लोमा इंजीनियरिंग छात्र और पार्ट-टाइम में डिलिवरी एजेंट का काम करता है।

ब्राजीलियन मॉडल के साथ जिस दिन छेड़छाड़ की वारदात हुई उस दिन वह बहुत घबरा गई और पुलिस के पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सकी. उसने अपने अपार्टमेंट में रहने वालों से बात की तो उन्होंने उसे पुलिस के पाज जाने को कहा. हालांकि महिला तब भी पुलिस के पास नहीं गई. आखिरकार महिला के साथ काम करने वाले कार्तिक विनायक ने महिला की मदद की और उसे आरटी नगर पुलिस स्टेशन लेकर पहुंचे।

सीसीटीवी से हुई पुष्टि

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला ने 25 अक्टूबर को पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक की तो उसमें महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि हुई. पुलिस ने तुरंत जांच करते हुए आरोपी को घर से गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने फिलहाल गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है. पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है. जेसी नगर उप-मंडल एसीपी तनवीर सैत ने कहा, हमें शनिवार को मॉडल की शिकायत मिली और कुछ ही घंटों में हमने आरोपी को पकड़ लिया।

कोर्ट ने भेजा जेल

पुलिस ने बताया कि कुमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. उसे अगले दिन एसीएमएम अदालत में पेश किया गया था जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जांच अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध कबूल कर लिया है. घटना के बाद संबंधित डिलिवरी कंपनी ने उसे नौकरी से निकाल दिया है. फिलहाल कुमार को परप्पाना अग्रहार केंद्रीय जेल में रखा गया है।

खेल केवल शरीर को स्वास्थ्य रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज में अनुशासन, टीम भावना के प्रतीक हैं- सांसद जगदंबिका पाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सांसद खेल महोत्सव के तहत नगर पंचायत शोहरतगढ़ के तिरंगा तिराहा से मैराथन दौड़ प्रतियोगिता को मुख्य अतिथि सांसद जगदम्बिका पाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। खिलाड़ी तिरंगा तिराहा गड़ाकुल से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुलिस पिकेट तहसील होकर वापस पहुंचे। दौड़ में स्थान प्राप्त 15 बालिकाओं व 15 बालकों को मुख्य अतिथि ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

सांसद खेल महोत्सव के मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में क्षेत्र के हजारों की संख्या में प्रतिभागियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज में अनुशासन, टीम भावना और एकता का भी प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे खेलों के माध्यम से अपने जीवन में सकारात्मकता लाएं और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। कहा कि देश के प्रधानमंत्री खेलो इंडिया को बढ़ावा दे रहे हैं, ताकि समाज स्वस्थ्य रहे। जब समाज स्वस्थ रहेगा तो विकसित भारत की संकल्पना साकार हो सकेगी। उन्होंने बस्ती मण्डल के जनपद सिद्धार्थनगर स्पोर्ट स्टेडियम के लिये सरकार से पहल करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन शिवशक्ति शर्मा ने किया। इस राजा योगेंद्र प्रताप सिंह, लालजी त्रिपाठी, पवन मिश्रा, नर्वदेश्वर मणी त्रिपाठी, अरुण प्रजापति, मनोज वर्मा, रवि अग्रवाल, श्रीमती उमा अग्रवाल, कौशलेंद्र त्रिपाठी, संतोष पासवान, शिव शक्ति शर्मा, रामकिशोर सिंह, बीपी यादव प्रधानाचार्य शिवपति इंटर कॉलेज, अरविंद अग्रहरि प्रधानाचार्य शारदा पब्लिक स्कूल, पाटेश्वरी प्रसाद प्रधानाचार्य सीपीएस पब्लिक स्कूल, अमित यादव, वीरेंद्र गुप्ता, सूर्य प्रकाश पांडे, अनूप कसौधन, राममिलन प्रधान, नीलू ओझा, अनिल अग्रहरि, सत्यम मौर्य, आकाश श्रीवास्तव, सतीश सिंह, घनश्याम गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सोरांव अब 'परशुराम चौक' और 'परशुराम नगर' के नाम से जाना जाएगा

● अखिल भारतीय भगवान परशुराम एकता समिति ने की घोषणा,। बड़ी संख्या में राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारी रहे मौजूद।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोरांव, प्रयागराज। अखिल भारतीय भगवान परशुराम एकता समिति द्वारा रविवार को सोरांव में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर समिति ने पूरे मोहल्ले का नाम "परशुराम नगर" और मुख्य चौराहे का नाम "परशुराम चौक" घोषित किया। घोषणा होते ही जय परशुराम के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। लोगों में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम का आयोजन समिति के गंगापार जिला अध्यक्ष गुड्डू शुक्ला के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान मंच पर संगठन के राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहे जिन्होंने भगवान परशुराम के आदर्शों और उनकी नीति पर आधारित एक सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। राष्ट्रीय पदाधिकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित ओमप्रकाश गौतम, राष्ट्रीय महामंत्री पंडित नरेंद्र कुमार द्विवेदी, राष्ट्रीय प्रवक्ता पंडित सूर्य प्रकाश पाठक, राष्ट्रीय संगठन मंत्री पंडित राकेश शुक्ला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बी.वी. शुक्ला समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने समाज में एकता, समानता और धर्मनिष्ठा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। प्रदेश स्तर से भी कई प्रमुख चेहरे कार्यक्रम में शामिल हुए जिनमें प्रदेश अध्यक्ष ऋषभदेव शुक्ला, प्रदेश संगठन मंत्री सौरभ मिश्रा, प्रदेश मंत्री अतील तिवारी समेत अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। वक्ताओं ने कहा कि भगवान परशुराम केवल ब्राह्मण समाज के नहीं बल्कि न्याय, सत्य और धर्म के प्रतीक हैं, जिनका आदर्श जीवन सभी वर्गों के लिए प्रेरणादायक है। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, व्यापारी, युवजन और महिलाएं उपस्थित रहीं। लोगों ने परशुराम चौक और परशुराम नगर के नामकरण पर खुशी जाहिर की और कहा कि यह कदम क्षेत्र की पहचान और गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों और उपस्थित लोगों ने परशुराम जयंती को भव्य स्तर पर मनाने का संकल्प भी लिया।

उत्तराखंड में आवारा कुत्तों को लेकर तैयार हुई गाइडलाइन, अब गली में खाना खिलाने पर होगा एक्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देहरादून। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों से संबंधित मामलों में राज्यों के लचर रवैये पर कड़ी नाराजगी जताते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। उत्तराखंड में शहरी विकास विभाग ने आवारा कुत्तों को लेकर गाइडलाइन तैयार कर ली है। इसके अनुसार नगरीय निकाय प्रत्येक वार्ड में कुत्तों को भोजन कराने के लिए स्थान का चयन करेगा। सड़क पर कुत्तों को खाना खिलाने वालों पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इस नीति से संबंधित हलफनामा शासन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया जाएगा।दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए राज्यों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होकर जवाब देने का आदेश दिया है। शहरी विकास निदेशक विनोद गिरि गोस्वामी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर

उत्तराखंड में नगर निकायों को आवारा कुत्तों से संबंधित गाइडलाइन जारी की जा चुकी है।

इसमें निर्देश दिया गया है कि जिन कुत्तों को पकड़ा जाए, उनकी नसबंदी और टीकाकरण के बाद वापस उसी इलाके में छोड़ दिया जाए। आक्रामक या रेबीज से संक्रमित कुत्तों को स्थायी रूप से शेल्टर होम में रखा जाए। इसके साथ ही नगर निकायों को हेल्पलाइन नंबर जारी करने के निर्देश भी दिए गए हैं। वहीं, आवारा कुत्तों को गोद लेने की भी छूट का दी गई है। पशु प्रेमी आवारा कुत्तों को गोद लेने के लिए संबंधित नगर निकाय में अर्जी दे सकते हैं। शहरी विकास विभाग ने सभी नगर निकायों से ढांचागत संसाधनों जैसे डाग शेल्टर की संख्या, पशु चिकित्सक, कुत्ता पकड़ने वाले प्रशिक्षित लोग, कुत्ता पकड़ने के वाहन और पिंजड़े आदि की संख्या के बारे में जानकारी जुटाई है।

सतारा डॉक्टर सुसाइड केसः परिजनों ने की SIT जांच की मांग

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के सतारा जिले में पिछले सप्ताह आत्महत्या करने वाली महिला डाक्टर के परिवार ने सरकार से मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) गठित करने की मांग की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक महिला रिश्तेदार ने कहा- "हमारी कुछ मांगें हैं। एसआइटी का गठन जल्द किया जाए और हम फाल्टन नहीं जाएंगे। मामले की सुनवाई बीड में होनी चाहिए। मेरी बहन पर लगाए गए आरोपों की जांच सीडीआर से की जानी चाहिए।" मृतका के एक पुरुष रिश्तेदार ने निलंबित एसआइ गोपाल बदाने के आत्मसमर्पण पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा- "पुलिस ने उसे खोजने के लिए पांच टीमें बनाई थीं। फिर वह मुख्यमंत्री की फाल्टन यात्रा से एक दिन पहले कैसे आत्मसमर्पण कर सकता है? हमें लगता है कि उसने सभी सुबूत नष्ट कर दिए और फिर आत्मसमर्पण किया।"

सीबीएम प्रोजेक्ट लालपुर में भारी अनियमित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिनेश चौधरी की रिपोर्ट

शहडोल बुढार- जिला प्रशासन से मांग जिला कांग्रेस नेता लवकेश गर्ग सीबीएम प्रोजेक्ट रिलायंस फाउंडेशन के द्वारा लालपुर में स्थानीय लोगों को किसी प्रकार का कोई रोजगार मुहैया नहीं कराया जाता जबकि लालपुर का राजस्व पूरा शासन के खाते में जाता है ना कि लालपुर में अस्पताल की सुविधा ना पानी की सुविधा न स्कूल आने-जाने की सुविधा भी मुहैया नहीं कर कराया जाता जिसके कारण आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ता है पानी का जल स्तर भी नीचे चला गया है रिलायंस बोरवेल के कारण इतनी गहराई तक बर किया जाता है कि डोमेस्टिक उसे के सभी बर फेल है नलालपुर पंचायत में रोड की व्यवस्था है ना लाइट स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था है पॉल्यूशन के कारण आदमी का जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है पिछले कई समाचार पत्र के माध्यम से एयरपोर्ट की मांग की गई है लेकिन रिलायंस कंपनी के द्वारा किसी प्रकार का हेल्प नहीं किया गया और एयरपोर्ट हो जाने से शेड्यूल बल्कि पूरे संभाग को नई गति मिलेगी और रोजी रोजगार धंधा में आगे आने वाले बेरोजगारों को सुविधा मिलेगी रिलायंस फाउंडेशन के द्वारा कुछ-कुछ प्रोग्राम किए जाते हैं लेकिन आम जनता को उससे फायदा नहीं मिल रहा है जिसके कारण आमजन परेशान है जमीन बंजर हो गई है।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ शुरू, घाटों पर उमड़ी श्रद्धा की लहर

● डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित, आज भोर में दिया जाएगा ऊषा अर्घ्य

ज्वालामुखी तालाब से लेकर ओपीएम घाट तक गूंजे छठ मइया के गीत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बुढार धनपुरी। सूर्य उपासना का महापर्व छठ धनपुरी व आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा और भक्ति के माहौल में मनाया जा रहा है। शनिवार की शाम धनपुरी और अमलाई के विभिन्न घाटों पर डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया गया। रविवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह चार दिवसीय पर्व संपन्न होगा।

शनिवार शाम को ज्वालामुखी तालाब, नंबर-1 तालाब, कुमारी खदान, अमलाई थाना के पास गाडाघाट, ओपीएम छठ घाट सहित अन्य स्थानों पर सैकड़ों की संख्या में व्रती महिलाएं और श्रद्धालु पहुंचे। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर पूजा सामग्री से भरे सूप और दौरा लेकर भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करती नजर आई। घाटों पर छठ मइया के गीतों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

चार दिवसीय पर्व में निहित है आस्था और अनुशासन- इस वर्ष छठ पर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर को नहाय-खाय से हुई थी। 26 अक्टूबर को खरना का अनुष्ठान संपन्न हुआ। सोमवार को संध्या अर्घ्य और मंगलवार को ऊषा अर्घ्य देकर पर्व संपन्न होगा। भोर में महिलाएं तालाबों पर पहुंचकर जल में खड़ी होकर सूर्य को अर्घ्य देंगी और परिवार की मंगलकामना करेंगी।

पूजा सामग्री की जबरदस्त मांग- छठ पर्व को लेकर बाजारों में गन्ना, कांदा, फल, नारियल, दीया, सूपा-दौरा जैसी सामग्रियों की भारी बिक्री देखी गई। श्रद्धालु पहले से ही तैयारी में जुट गए थे। छठ पर्व में स्वच्छता का विशेष महत्व होने के कारण व्रती घर और आसपास की सफाई पर विशेष ध्यान देते हैं।

बैंड-बाजों और आतिशबाजी के साथ घाटों पर उमंग- पूजा सामग्री लेकर महिलाएं और पुरुष बैंड-बाजों के साथ तालाब तक पहुंचे। जगह-जगह आतिशबाजी हुई और वातावरण में उल्लास का माहौल बन गया। अन्य समुदायों के लोग भी पूजा देखने पहुंचे। प्रशासन की ओर से घाटों पर सफाई और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी।

छठ पर्व 2025 का क्रम,25 अक्टूबर (शनिवार): नहाय-खाय,26 अक्टूबर (रविवार): खरना,27 अक्टूबर (सोमवार): संध्या अर्घ्य,28 अक्टूबर (मंगलवार): ऊषा अर्घ्य और पारण।छठ पर्व केवल व्रत नहीं, बल्कि आस्था, संयम और शुद्धता का प्रतीक बन चुका है। धनपुरी व आसपास के क्षेत्रों में यह पर्व सामूहिक श्रद्धा और भक्ति की मिसाल बन गया है।

फैंस के लिए बड़ी खबर! 2027 विश्व कप तक खेल सकते हैं रोहित शर्मा , कोच ने किया बड़ा खुलासा

● अपनी शानदार फॉर्म और बेहतर फिटनेस से आलोचकों को जवाब देते हुए रोहित शर्मा ने 2027 वनडे विश्व कप तक क्रिकेट खेलने की अपनी योजना साफ कर दी है। उनके कोच दिनेश लाड ने बताया कि रोहित का आत्मविश्वास उनकी सफलता का राज है और वह भारत के लिए मैच जिताने वाले खिलाड़ी बने रहेंगे। हालिया सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाना उनकी क्षमताओं का प्रमाण है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रोहित शर्मा को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संभावित संन्यास की चर्चा अब उनकी उम्र 38 वर्ष होने के साथ लगातार बढ़ती जा रही है, खासकर तब से जब उन्होंने टेस्ट और टी20 प्रारूप से दूरी बना ली। हालांकि उन्होंने वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने के संकेत अब तक नहीं दिए हैं। ऐसे समय में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेली गई उनकी नाबाद 121 रनों की शानदार पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब भी भारत को जीत की ओर ले जाने की क्षमता रखते हैं। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस सीरीज में रोहित का बदला हुआ फिटनेस लेवल भी सभी का ध्यान खींच रहा था, जहां उनका वजन कम दिखाई दिया और उनका मूवमेंट और तेज नजर आया। इसी बीच उनके बचपन के कोच दिनेश लाड ने संन्यास से जुड़ी सभी अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए साफ कहा है कि रोहित अभी संन्यास का कोई इरादा नहीं रखते। मौजूद जानकारी के अनुसार, लाड ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा कि रोहित ने आलोचकों को जवाब देने के लिए अपनी बैटिंग को ही हथियार बनाया है। कई लोगों का मानना था कि 2027 विश्व कप में यशस्वी जायसवाल उनकी जगह ले सकते हैं, मगर रोहित ने हालिया दो पारियों पहले 73 और फिर 121* रन से दिखा दिया कि वह अब भी भारत के लिए मैच जिताने

वाले खिलाड़ी हैं। लाड के अनुसार, रोहित की सफलता का राज उनका आत्मविश्वास है। कोच ने यह भी पुष्टि की कि रोहित का लक्ष्य वर्ष 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेलना है और संभवतः वह उसके बाद ही संन्यास पर विचार करेंगे। गौरतलब है कि रोहित ने हाल ही में तीन मैचों की सीरीज में कुल 202 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुने गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अब भारत लौट रहे हैं और वर्ष के अंत में होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगली वनडे श्रृंखला की तैयारियों में जुटने वाले हैं।

'वैश्विक सौर ऊर्जा मांग का हब बनेगा भारत', ISA की सालाना सभा में बोलीं राष्ट्रपति मुर्मु

● राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत 2050 तक स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य हासिल करेगा और सौर ऊर्जा का केंद्र बनेगा। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से लड़ने की प्रतिबद्धता जताई और सौर ऊर्जा को समावेशी विकास का स्त्रोत बताया। सभा में सौर वित्तपोषण और क्षमता निर्माण पर चर्चा हुई। मंत्री जोशी ने भारत की बढ़ती सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता पर प्रकाश डाला।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। भारत वर्ष 2050 तक ना सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा का महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करेगा बल्कि सौर ऊर्जा में वैश्विक मांग का केंद्र भी भारत ही होगा। यह बात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की आठवीं सालाना सभा के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने सौर ऊर्जा को वैश्विक चुनौतियों के समाधान के तौर पर चिन्हित करते हुए कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन से लड़ने को प्रतिबद्ध है और इसके लिए वह दृढ़ कदम उठा रहा है। उन्होंने जोर दिया कि सौर ऊर्जा समावेशी विकास का स्त्रोत है, जो गरीबी उन्मूलन और ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देगी।

'सोलर फॉर शी' पहल की सराहना की

मुर्मु ने 2050 तक भारत के लक्ष्यों का जिक्र करते हुए कहा कि देश न केवल अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करेगा, बल्कि वैश्विक सौर मांग का केंद्र बनेगा। राष्ट्रपति मुर्मु ने आईएसए की 'सोलर फॉर शी' पहल की सराहना की जो महिलाओं को नीतियों, वित्तपोषण और कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनाएगी। सभा में 125 सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। यहां सौर वित्तपोषण, क्षमता निर्माण, कृषि में सौर ऊर्जा के प्रयोग और वैश्विक सौर सप्लाई चेन स्थापित करने के विषय पर गंभीर विमर्श हुआ। राष्ट्रपति ने सहयोग पर बल देते हुए कहा कि सौर ऊर्जा से ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित होगी और सतत भविष्य बनेगा। यह संबोधन आईएसए की कार्यवाही का

स्वर निर्धारित करेगा, जो सौर निवेश को 2030 तक बढ़ाने पर केंद्रित है।इस कार्यक्रम में एक सत्र को संबोधित करते हुए नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारत में सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन की क्षमता 2.57 लाख मेगावाट हो चुकी है। इसके साथ ही भारत दुनिया में चौथी सबसे बड़ी सौर बिजली उत्पादक देश बन चुका है। यह वर्ष 2014 के मुकाबले तीन गुणा ज्यादा है। सौर उर्जा के लिए जरूरी उपकरणों के निर्माण में भी भारत की क्षमता लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2014 में भारत में इन उपकरणों के सिर्फ 2,000 मेगावाट निर्माण क्षमता थी जो अब बढ़ कर 1.10 लाख मेगावाट हो चुका है। सोलर सेल्स की कोई निर्माण क्षमता भारत में नहीं थी जो अब 27 हजार मेगावाट है।